बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

गाजियाबाद में मात्र रू0 6.5 लाख (छै: लाख पचास हजार) में मकान खरीदने हेतु सम्पर्क करें
मो0 9868944025
लोन सुविधा उपलब्ध है

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 146 | शुक्रवार 15 सितम्बर 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

कमलनाथ के खिलाफ बीजेपी ने चुन लिया 'योद्धा', एमपी 36 और सीटों पर नाम हो गया फाइनल

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के ऐलान में सबसे आगे निकल चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही दूसरी लिस्ट जारी करने जा रही है। 36 उम्मीदवारों के नाम फाइनल हो गए हैं।

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के ऐलान में सबसे आगे निकल चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही दूसरी लिस्ट जारी करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक 36 नामों पर मुहर लगाए जाने की खबर है। गुरुवार शाम या शुक्रवार तक बीजेपी की ओर से दूसरी सूची जारी की जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान कुल 39 नामों पर चर्चा हुई और 36 के नाम पर मुहर लग गई। कुछ और विचार के बाद तीन नामों को फाइनल करने की जिम्मेदारी गृहमंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को दी गई है। बैठक में पीएम मोदी, अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह भी शामिल थे।

किसे कहां से मिलेगा मौका?

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने मध्य प्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सीएम कमलनाथ के खिलाफ भी उम्मीदवार तयर कर

सूत्रों के मुताबिक

बैठक के दौरान कुल 39 नामों पर चर्चा हुई और 36 के नाम पर मुहर लग गई। कुछ और विचार के बाद तीन नामों को फाइनल करने की जिम्मेदारी गृहमंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को दी गई है। बैठक में पीएम मोदी, अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह और राजनाथ सिंह भी शामिल थे।

लिया है। सूत्रों की मानें तो छिंदवाड़ा से कमलनाथ के खिलाफ विवेक साहू को टिकट दिया गया है। मुरैना से सिंधिया खेमे के नेता रघुराज कंसाना को टिकट दिए जाने की सूचना है। नेता विपक्ष गोविंद सिंह के खिलाफ भिंड जिले की लहार सीट से अमरीश गुड्डू को टिकट मिल सकता है। ज्योतिरादित्य सिंधिया की करीबी नेता इमरती देवी को ग्वालियर की डबरा सीट से टिकट फाइनल है।

39 सीटों पर हो चुका ऐलान

बीजेपी की केंद्रीय चुनाव समिति ने पिछले महीने बैठक की थी और मध्य प्रदेश में 39 सीटों और छत्तीसगढ़ के लिए 21 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। ये ऐसी सीटें थीं जहां भाजपा को पिछले चुनावों में पराजय का सामना करना पड़ा था। अपनी परंपरा से हटते हुए भाजपा ने इस बार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने से काफी पहले ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा शुरू कर दी है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, जो 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले विधानसभा चुनावों का अंतिम दौर है।

दिल्ली-एनसीआर के इन दो एक्सप्रेसवे पर बनेंगे हेलीपैड, आपको क्या होगा फायदा

नई दिल्ली। आपात स्थिति में घायलों को जल्द मदद पहुंचाने के लिए दिल्ली-एनसीआर में एक्सप्रेसवे किनारे हेलीपैड बनाने का फैसला लिया गया है। पहले चरण में ईस्टर्न-वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे हेलीपैड बनाए जाएंगे। उसके बाद अन्य एक्सप्रेसवे पर भी काम शुरू किया जाएगा। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के अधिकारियों के साथ बीते दिनों हुई बैठक में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार ने सहमति जताई है। इसके साथ इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन, नई इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने और एक्सप्रेसवे और एनएच को आपस में जोड़ने जैसे कई मुद्दों पर तेजी से काम करने को लेकर भी सहमति बनी है।

एयर एंबुलेंस से घायलों को रेस्क्यू कर सकेंगे -नए नियमों के हिसाब से एक्सप्रेसवे के किनारे 30-50 किलोमीटर की दूरी पर हेलीपैड बनाया जाना जरूरी है, जिससे कोई बड़ा हादसा होने पर एक्सप्रेसवे के किनारे ही एयर एंबुलेंस के जरिये घायलों को रेस्क्यू किया जा सके। इसके साथ ही आसपास के शहर भी आपात स्थिति में मरीज को एयर एंबुलेंस के जरिये कम समय में शिफ्ट कर सकेंगे। इसलिए एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में जोर दिया गया किया ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे हेलीपैड नहीं है, जबकि वर्तमान में नए बनाए जा रहे एक्सप्रेसवे के किनारे हेलीपैड बनाई जा रही है। इसलिए इन दोनों एक्सप्रेसवे के किनारे भी नियमों का पालन होना चाहिए, जिस पर एनएचएआई अधिकारियों ने सहमति दी कि अगले एक महीने में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे जगह चिह्नित कर ली जाएगी। उसके बाद प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय को भेजा जाएगा। कोशिश रहेगी कि अगले तीन महीने के अंदर हेलीपैड बनाने का प्रस्ताव पास कराकर निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। उधर, हरियाणा सरकार ने भी वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे जल्द हेलीपैड बनाने को तैयार है। एनएचएआई और हरियाणा सरकार के अधिकारियों का कहना है कि दोनों एक्सप्रेसवे के लूप के बीच में काफी खाली जगह पड़ी है, जिसमें हेलीपैड को आसानी से बनाया जा सकता है। सर्वे के माध्यम से देखना है कि वहां पर कोई पेड़ या किसी तरह की लाइन तो नहीं है।

किस किनारे लगेगा विपक्षी गठबंधन?

INDIA गुट में लेफ्ट को तरजीह तो लाल हो रहीं ममता

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन से लोहा लेने के लिए तमाम विपक्षी दलों ने मिल कर I.N.D.I.A. गुट बनाया। इस गुट में कई प्रदेशों की अलग-अलग पार्टियां शामिल हैं। कुल 28 पार्टियों वाले इस विपक्षी गुट में कई राज्यों को बड़े क्षत्रप भी शामिल हैं, जिनका अपने-अपने राज्यों में एक दूसरे से हमेशा संघर्ष रहा है। इंडिया गुट में जहां महाराष्ट्र की एनसीपी शामिल है तो वहीं कभी हिंदुत्व नारा बुलंद करने वाली शिवसेना भी अहम हिस्सेदार है। बंगाल में एक दूसरे के धुर विरोधी रहे वाम दल और ममता की टीएमसी भी एक ही छत के नीचे गुजर-बसर करने की कोशिश रही हैं। ऐसे में विपक्षी गुट में किसी विरोधी पार्टी को खास महत्व मिलने लगता है, तो दूसरी पार्टी पर राज्य की सियसत हावी हो जाती है। कुछ ऐसी ही बीते दिनों टीएमसी और लेफ्ट के बीच देखने को मिला। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी इंडिया गुट के गठन के बावजूद राज्य में वाम दलों के साथ गठबंधन को लेकर कांग्रेस पार्टी से नाराज थीं। उनकी यह नाराजगी मुंबई में इंडिया गुट के नेताओं की तीसरी बैठक के बाद सामने आई, क्योंकि टीएमसी सुप्रीमो नेताओं की संयुक्त प्रेस वार्ता में शामिल हुए बिना ही जल्दी चली गईं। हालांकि, इससे पहले भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता सीताराम येचुरी ने पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में वाम और कांग्रेस के साथ धर्मनिरपेक्ष दल राज्य में भाजपा के साथ-साथ टीएमसी से भी मुकाबला करेंगे। इसके अलावा कई मौकों पर ममता बनर्जी विपक्षी गुट में एक साथ आने की वजह वाम दलों पर खुलकर हमला नहीं बोल रही हैं। जुलाई में पश्चिम बंगाल में हुए पंचायत चुनाव के बाद, ममता बनर्जी ने चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाओं के लिए राज्य में विपक्षी दलों - सीपीआई (एम) और भाजपा को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, टीएमसी प्रमुख ने कहा कि वह कांग्रेस और सीपीएम के बारे में बहुत कुछ नहीं कहना चाहतीं क्योंकि वे विपक्षी गुट का हिस्सा हैं।

कार्यालयी कामकाज में हिन्दी के सरल शब्दों का हो उपयोग: शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने हिन्दी दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि कार्यालयी कामकाज में हिन्दी के सरल शब्दों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। शाह ने गुरुवार को हिन्दी दिवस के मौके पर एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की भाषाओं की विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम 'हिंदी' है। स्वतंत्रता आन्दोलन से लेकर आजतक देश को एकसूत्र में बांधने में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। शाह ने कहा कि हिंदी के समृद्ध होने से इस देश की सारी भाषाएं समृद्ध होंगी और इस देश की सारी भाषाओं के समृद्ध होने से हिंदी ही समृद्ध होगी। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा से है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित और पल्लवित हुईं। शाह ने कहा कि हिंदी एक जनतांत्रिक भाषा रही है। इसने अलग-अलग भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ-साथ कई वैश्विक भाषाओं को सम्मान दिया है और उनकी शब्दावलियों, पदों

और व्याकरण के नियमों को अपनाया है। गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी देश की मौलिक और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल', यानी अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। सभी भारतीय भाषाएं और बोलियां हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। जिन्हें हमें साथ लेकर चलना है। शाह ने कहा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दृष्टि से अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई और पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। गृह मंत्री ने कहा कि राजभाषा विभाग की ओर से अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की भी नई परम्परा शुरू की गई है। 13-14 नवंबर, 2021 को बनारस में पहला और 14 सितम्बर 2022 को सूरत में दूसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

नम आंखों, कंपकपाते हाथों से एक्स आईजी पिता ने शहीद बेटे को किया सैल्यूट

सिसकियों के बीच कंधा देने उमड़े लोग

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के कोकेरनाग के ऊंचाई वाले क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए जम्मू कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हिमायूं भट्ट को आंसुओं और सिसकियों के बीच उनके पिता और रिटायर्ड आईजी, गुलाम हसन भट ने अंतिम सलामी दी। बुजुर्ग भट ने कंपकपाते हाथों और नम आंखों से अपने डीएसपी बेटे को सैल्यूट किया और लड़खड़ाते कदमों से उनके जनाजे को कंधा दिया। गुलाम हसन भट ने 2018 तक जम्मू-कश्मीर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में भी काम किया है। उनका पूरा परिवार श्रीनगर एयर पोर्ट के पास हुमहामा इलाके की वीआईपी कॉलोनी में रहता है। शहीद डीएसपी भट अपने पीछे पत्नी और 28 दिन के नवजात शिशु को छोड़ गए हैं। पिछले साल ही उनकी शादी हुई थी। जब उनका शव अंतिम दर्शन के लिए उनकी कॉलोनी में लाया गया तो वहां लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में मोहल्ले की महिलाओं ने अपने नौजवान बेटे की शहादत पर नम आंखों से उन्हें विदाई दी। इलाके के कई बुजुर्ग और नौजवान डीएसपी भट के जनाजे को कंधा देने के लिए उमड़ पड़े। बुधवार

शाम जब हिमायुं भट्ट का पार्थिव शरीर बडगाम जिले के फ्रेंड्स एन्क्लेव हुम्हामा स्थित उनके घर पहुंचा तो लगभग हर आंख आंसुओं से नम थी। जैसे ही ताबूत एम्बुलेंस से बाहर लाया गया, वहां मौजूद महिलाएं रोने लगीं। महिलाओं के विलाप और परिजनों के करुण क्रंदन से माहौल बेहद गमगीन हो गया।

आजम खान के घर पर आईटी का एक्शन जारी, 26 घंटे से डटी है छापेमारी टीम

रामपुर। सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के संस्थापक एवं आजीवन अध्यक्ष मोहम्मद आजम खान के घर पर आयकर की कार्रवाई गुरुवार को भी जारी है। 26 घंटे से आईटी टीम डटी है। बताया जा रहा है कि टीम जिस इनपुट के साथ रामपुर आई है और छापेमारी कर रही है, अभी उसे अपने मकसद में कामयाबी नहीं मिली है। लिहाजा, बुधवार की सुबह से शुरू हुई कार्रवाई रात तक जारी रही। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई जरूरत हुई तो शुक्रवार को भी जारी रह सकती है। वहीं इस दौरान खराब स्वास्थ्य के कारण आजम अपने बेड पर लेटे रहे। उन्होंने कार्रवाई में किसी तरह का दखल नहीं दिया। जौहर ट्रस्ट पर कर चोरी का आरोप है। मालूम हो कि करीब छह माह पूर्व आयकर विभाग ने पूर्व मंत्री आजम खान उनकी पत्नी तजीन फातिमा और

● 26 घंटे से आईटी टीम डटी है। बताया जा रहा है कि टीम जिस इनपुट के साथ रामपुर आई है और छापेमारी कर रही है, अभी उसे अपने मकसद में कामयाबी नहीं मिली है। लिहाजा, बुधवार की सुबह से शुरू हुई कार्रवाई रात तक जारी रही।

बेटे अब्दुल्ला आजम के आयकर हलफनामे की फिर से जांच शुरू की थी। दरअसल, आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान दाखिल किए गए आयकर हलफनामे में कई गड़बड़ियां मिली थी। वहीं, तजीन फातिमा के बैंक खातों में भी गड़बड़ियां जांच में सामने आई थीं। इन खातों में संदिग्ध लेन-देन का पता चला था। साथ ही जौहर ट्रस्ट से हुए तमाम लेनदेन संदेह के घेरे में थे। इन्हीं गड़बड़ियों के मिलान के लिए बुधवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे आयकर के अधिकारी रामपुर पहुंचे। उन्होंने यहां जेल रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के मैनेजर सतीश कुमार को गवाह के रूप में लिया और फिर छापेमारी शुरू कर दी। एक टीम आजम खां के घर पहुंची तो दूसरी टीमें सपा विधायक नसीर खां और डीसीबी के पूर्व चेयरमैन सलीम कासिम के घर जा पहुंची। टीम ने जौहर विश्वविद्यालय पहुंचकर भी जांच की। वहीं हमसफर रिसॉर्ट में भी छापेमारी की गई। एक अन्य टीम राधा रोड स्थित आजम खां के बेटे अदीब के टायर शोरूम पर भी जांच को पहुंची। साथ ही आजम के करीबी रहे आरके जैन के यहां छापामारी की गई। दोपहर बाद एक टीम नसीर खां के बैजना गांव स्थित फार्म पर भी गई। वहीं, आजम के करीबी रहे शाहजेब खां के यहां भी छापामारी की गई है। शाहजेब विस चुनाव में भाजपा में शामिल हो गए थे। इस दौरान जहां-जहां आयकर की रेड पड़ी वहां फोर्स का घेरा रहा, किसी को भी अंदर से बाहर और बाहर से अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। सुबह करीब आठ बजे से शुरू हुई आयकर की रेड देर रात तक जारी रही। इस दौरान लखनऊ से गोल्ड वैल्युअर कन्हैया लाल को भी टीम के साथ रखा गया। हालांकि, इस बीच आयकर अधिकारी मीडिया में कुछ भी बोलने से बचते रहे।

फ्रांस ने दिया पहला सी-295 परिवहन विमान, वायु सेना प्रमुख को सौंपी चाबी

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के लिए स्पेन में तैयार किया गया पहला सी-295 सैन्य परिवहन विमान बुधवार को मिल गया। एयरबस कंपनी ने भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी को स्पेन के सेविले में सी-295 विमान की चाबी सौंपी। भारतीय वायु सेना प्रमुख ने सी-295 में स्पेन के सेविले हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी। ग्रुप कैप्टन पीएस नेगी माल्टा, मिस्र और बहरीन में रुकते हुए भारत के वडोदरा हवाई अड्डे पर उतरेंगे। यह विमान 25 सितंबर को हिंडन एयरबेस पर एक समारोह में आधिकारिक तौर पर भारत के हवाई बेड़े में शामिल किया जाएगा। फ्रांसीसी कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ पिछले साल 24 सितंबर को 56 सी-295 सैन्य परिवहन विमानों का सौदा फाइनल हुआ था। इसी सौदे के तहत यह पहला विमान स्पेन में ही तैयार किया है। भारत को पहला विमान मिलने के साथ ही अन्य 15 विमानों के 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति होने का रास्ता साफ़ हो गया है। समझौते के मुताबिक़ कंपनी को 16 विमान स्पेन में तैयार करके भारत को 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति करना है, जबकि अन्य 40 विमानों का निर्माण दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही करेगा। एयरबस डिफेंस एंड स्पेस ने पहला सैन्य परिवहन विमान तैयार करके 5 मई को तीन घंटे की उड़ान का परीक्षण स्पेन के सेविले में किया था।

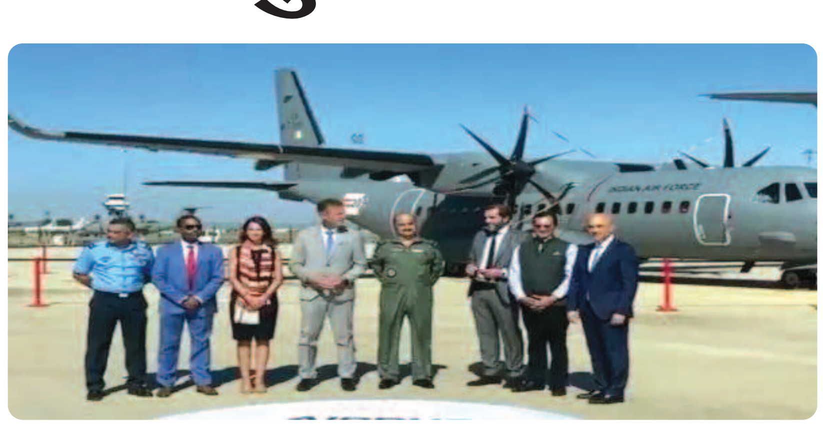

सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने 08 सितंबर को भारतीय वायु सेना के लिए 56 ट्रांसपोर्ट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। यह अपनी तरह की पहली परियोजना है, जिसमें निजी कंपनी गुजरात के वडोदरा में टाटा-एयरबस संयुक्त उद्यम में सैन्य परिवहन विमान का निर्माण करेगी। सभी 56 विमानों को स्वदेशी इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट के साथ स्थापित किया जाएगा। विमान को हल्के पीले रंग में पेंट किया गया और इसके बाद भारतीय वायु सेना के पारंपरिक रंग 'ग्रे' की कोटिंग की गई है। पेंटिंग होने के बाद विमान के दोनों और हिंदी और अंग्रेजी में 'भारतीय वायु सेना' और 'इंडियन एयर फ़ोर्स' लिखा गया है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक़ यह कार्यक्रम भारत सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को बड़ा बढ़ावा देगा, क्योंकि इससे भारतीय निजी क्षेत्र को प्रौद्योगिकी गहन और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी विमानन उद्योग में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। यह परियोजना घरेलू विमानन निर्माण को बढ़ावा देगी, जिसके परिणामस्वरूप विदेशों से आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात में वृद्धि होगी। इससे 600 उच्च कुशल रोजगार सीधे और 3000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होंगे। यह कार्यक्रम स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की एक अनूठी पहल है।

बुजुर्गों को मिलें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार!

सोनम लववंशी

वैसे पिछले कुछ दशकों में हमारे सामाजिक मूल्यों में काफी बदलाव आ गया है, तभी सरकार को साल 2007 में माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण कानून ही नहीं बनाना पड़ा। बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए न्यायपालिका को भी कड़े कदम उठाने पड़े। यह वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सम्बल तो दे रहा है।

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी, है जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी। यानी सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीकरण, बाधारहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन। रामधारी सिंह दिनकर की ये पंक्तियां आधुनिक होती युवा पीढ़ी के लिए कई सवाल खड़े करती है। तथाकथित व्यक्तिवादी एवं सुविधावादी सोच ने वर्तमान दौर में समाज की संरचना को असभ्य, अशालीन, बदसूरत एवं संवेदनहीन बना दिया है। अब रिश्तों का मर्म बस इतना रह गया है कि जरूरत के हिसाब से लोग रिश्ते निभा रहे हैं। जरूरत खत्म होते ही घर के बड़े-बुजुर्ग भी बोझ समझे जाने लगे हैं। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि, यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप। ऐसे में माता-पिता के जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दें। आज हर घर की यही कहानी है कि घर के बड़े बुजुर्ग अकेलेपन, तिरस्कार, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा और भय से अपमानित जीवन जीने को मजबूर है। आधुनिकता के इस दौर में उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के चलते सामाजिक मूल्यों के बदलते परिवेश में नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आ गया है। एकीकृत जीवनशैली ने बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं खड़ी कर दी है।

संविधान का अनुच्छेद- 21 प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देता है, लेकिन जब अपने ही इस अधिकार में बाधक बन जाए तो हम किस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं? ये कोई बताने या समझाने वाली बात नहीं! वैसे हमारे समाज की यह बहुत बड़ी बिडम्बना है कि हम बेटों की चाहत में इतने अंधे हो गए है कि बेटियों को वो प्यार ही नही दे पाते हैं। जिसकी वे असल हकदार होती हैं। आज भी हमारे समाज में पुरुषवादी मानसिकता भरी हुई है। हम आज भी बेटे को कुलदीपक मानते हैं। तो वहीं बेटियों को पराया धन माना जाता है, लेकिन अक्सर यही कुलदीपक अपने ही जन्मदाता को वृद्धा आश्रम छोड़ कर चले आते हैं।

हम वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखने वाले देश के लोग हैं। फिर आधुनिकता की दौड़ में इतना अंधे कैसे हो रहें कि अपने संस्कारों को ही तिलांजलि देने पर तुले हैं। क्या यही आधुनिकता है, जिसमें अपनों का सम्मान करना ही भूल जाए? हम तो विश्वगुरु बनने की राह में आगे बढ़ रहे है फिर कैसे अपने जीवन के प्रथम गुरु के साथ बदसलूकी पर उतर आए? ये सच है कि भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपने लिए ही समय नही निकाल पाते हैं, तो फिर अपनों की जिम्मेदारियों का ख्याल कैसे रखें? लेकिन जिस मां- बाप ने जन्म दिया उसकी जिम्मेदारी से मुंह तो मोड़ नहीं सकते। हम यह क्यों भूल जाते है कि जिस माँ ने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द सहन कर हमें इस दुनिया में जन्म दिया है। जिस पिता ने हमें उंगली पकड़कर चलना सीखाया। जिसने हमें इस लायक बनाया की हम सही गलत का फर्क समझ सके। फिर जिस वक्त उन्हें हमारे सहारे की जरूरत फिर हम कैसे मुकर सकते हैं?

आज न केवल समाज को जागरूक होने की आवश्यकता है बल्कि बुजुर्गों पर हो रहे अत्याचार पर सरकार को भी कड़े कानून बनाना चाहिए। जिससे हमारे बुजुर्ग भी सम्मानपूर्वक अपना जीवन जी सके। हमें समझना होगा कि हमारे बुजुर्ग हमसे क्या कहना चाह रहे हैं। आज हमने उन्हें सुनने की बजाए अपनी सुनाना शुरू कर दिया है। यही वजह है कि वर्तमाम दौर में समाज में आपराधिक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। आज हम पुरानी इमारतों को तो सहेजकर रखना चाहते है, लेकिन हमारे घर के बुजुर्गों को बेसहारा छोड़कर आंसू बहाने के लिए छोड़ रहे हैं।

भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता तो ऐसी कतई नहीं थी। फिर आज क्यों हमारा समाज और देश अपनी दिशा से भटक रहा है? हम शिक्षा के पैमाने पर अंकों के मामले में भले ही आगे बढ़ रहे हैं। पर अपने नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति कर्तव्यों को तिलांजलि क्यों दे रहे हैं? हमारा समाज अपने बुजुर्ग माता-पिता पर ही अत्याचार कर रहा। फिर ऐसे में कैसे उम्मीद लगाई जाए, कि वह किसी दूसरे की जान की परवाह करेगा। आज समाज आधुनिक होने का दम्भ तो भर रहा। पर शायद वह यह भूल गया है, कि सामाजिक व्यवस्था और घर-परिवार सिर्फ इन भौतिक वस्तुओं से नहीं चलते। हमें एक बेहतर समाज निर्माण के लिए बेहतर सोच रखनी होगी। तभी देश और समाज की बनी-बनाई व्यवस्था चल पाएगी। वरना सबकुछ जंगलराज में तब्दील हो जाएगा। हमारी संस्कृति में घर के बड़े-बुजुर्गों की बात का सम्मान करना सदियों की परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रही है। फिर जिक्र चाहें श्रीराम का हो। जिन्होंने अपने पिता की बात का मान रखने के लिए वन जाने का निश्चय किया या फिर श्रवण कुमार का। जिन्होंने अपने माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा कराई हो। ये सच है कि आज के दौर में कोई भी व्यक्ति श्रवण कुमार नहीं बन सकता। पर अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा तो की ही जा सकती है। लेकिन दुर्भाग्य देखिए आज के समाज का! लोग खूबसूरत पहनावे और भौतिक सुख-सुविधाओं से लैस होकर खुद को स्मार्ट समझने लगे हैं। लेकिन वास्तव में दिलों - दिमाग से उतने ही घिनौने और कंगाल होते जा रहे हैं। ऐसी आधुनिकता और शिक्षित समाज किस काम का जो अपने बुजुर्ग सदस्यों को अकेलेपन में जीवन बिताने के लिए आश्रम में छोड़ दे, अथवा अपने ही हाथों से उनकी जीवनलीला समाप्त कर दे।

ऐसे में सवाल तो बहुत है कि आखिर हमारे समाज को हुआ क्या है? क्यों आज समाज में एक ऐसा तबका हावी हो रहा, जो अपनों की ही जान लेने पर उतावला हो रहा है। वृद्धजनों के लिये बुनियादी सुविधाओं जैसे- भोजन, स्वास्थ्य, घर तथा अन्य आवश्यकताओं की अनुपलब्धता उनके मानवाधिकारों का हनन तो है ही। साथ में यह संविधान के अनुच्छेद-21, जो कि प्रत्येक मनुष्य को गरिमापूर्ण तथा स्वतंत्र जीवन जीने का अधिकार देता है, उसके साथ भी खिलवाड़ है और ऐसा खिलवाड़ अगर अपने ही कर रहे। ऐसे में समझ सकते हमारा समाज अंदर से कितना खोखला होता जा रहा।

वैसे पिछले कुछ दशकों में हमारे सामाजिक मूल्यों में काफी बदलाव आ गया है, तभी सरकार को साल 2007 में माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण कानून ही नहीं बनाना पड़ा। बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन के लिए न्यायपालिका को भी कड़े कदम उठाने पड़े। यह वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सम्बल तो दे रहा है। बावजूद इसके आए दिन देश के किसी न किसी कोने से माँ बाप पर अत्याचार की खबरें भी आ रही है। इसके लिए सिर्फ सरकार ही नहीं परिवार को भी अपने बुजुर्ग माता पिता की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देना होगा। तभी हमारा वर्तमान और भविष्य सुरक्षित हो सकेगा। वरना जिस तरह से हम अपने माँ बाप को घर से बेघर कर रहे है। कल हमारा भी बुढ़ापा आएगा और हमारे बच्चे भी वही सब देखेंगे और सीखेंगे जो हम आज अपने माता-पिता के साथ कर रहे है।

संपादकीय

पुनर्समीक्षा का विचार सही

सर्वोच्च न्यायालय ने राजद्रोह कानून की पुनर्समीक्षा का काम संविधान पीठ को सौंप दिया है। न्यायालय को यह लगा कि 1962 में केदारनाथ सिंह बनाम बिहार सरकार के इसी मामले में पांच सदस्यीय संविधान पीठ की सुनवाई-प्रक्रिया और उसके दिए फैसले पर नई परिस्थितियों में पुनर्विचार की जरूरत है। तब व्यक्ति की समानता को सुनिश्चित करने वाले संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत नहीं, बल्कि अनुच्छेद-19 के तहत विचार किया गया था, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संबंधित है। इसलिए तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र सरकार के प्रस्तावित नए विधेयक के कानून बन जाने तक इंतजार करने की उसकी सलाह नहीं मानी। इसमें दो बातें थीं-एक तो नया कानून एक नई तारीख से लागू होता और उससे पुराने मामलों पर विचार नहीं होता। दूसरे, पुराने कानून के क्रियान्वयन की समीक्षा करने की जरूरत है। इसलिए कि सन् 2014 से 2021 तक राजद्रोह के मामले में 428 मामले दर्ज हुए थे और 634 लोग गिरफ्तार किए गए थे। इनमें दोषसिद्धि बहुत कम थी-2019 में महज 3.3 फीसद तो 2020 में 33.3 फीसद। फिर, इन्हें लेकर सरकार की काफी लानत-मलामत की जाती रही है। तो सर्वोच्च अदालत को पुराने कानून पर इस नजरिए से भी सोचना था। नए विधेयक में देश की एकता-अखंड़ता को खतरे में ड़ालने, अलगाववाद को उकसाने वाले और दूसरे देश से मिल कर साजिश रचने वाली कारगुजारियां देशद्रोह के दायरे में रखी गई हैं। और इसकी अधिकतम सजा तीन साल से बढ़ा कर न्यूनतम सात साल से लेकर अधिकतम उम्रकैद तक रखी गई है। इसे सोय यानी गंभीर अपराध बनाया गया है। पुलिस इसके आरोपितों को कभी भी गिरफ्तार कर सकती है। अलबत्ता, नए विधेयक में सरकार के कामों की लिखित या वाचिक आलोचनाओं को देशद्रोह के दायरे से हटा दिया गया है। इसको परिभाषित करने की कोशिश की गई है। यह रेखांकित करने योग्य महत्त्वपूर्ण अंतर है। हालांकि इसके नए विधेयक के प्रावधान कुछेक को पुराने से भी कड़े.लगते रहे हैं। तो इसका उत्तर यही है कि मौजूदा भारत औपनिवेशिक काल का स्थैतिक या एकरेखीय नहीं रह गया है। विभाजन के साथ मिली आजादी के बाद पैदा हुई अलगाववादी-उग्रवादी व आतंकी परिस्थितियों की रोकथाम के लिए भारत को ऐसे कानून की वक्ती दरकार है।

चिंतन-मनन

कैंची काटती है, सुई जोड़ती है

कैंची काटती (तोड़ती) है और सुई जोड़ती है। यही कारण है कि तोड़ने वाली कैंची पैर के नीचे पड़ी रहती है और जोड़ने वाली सुई सिर पर स्थान पाती है। इसलिए मनुष्य का यही धर्म है कि इनसान को जोड़े न कि तोड़े। उन्होंने सास-बहू में एका होने का आह्वान भी किया। राष्ट्र संत तरुण सागर महाराज ने कई उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातें रखीं। एक पिता अपने छोटे से पुत्र को विश्व का एक नक्शा देता है। फिर उसे टुकड़े-टुकड़े कर पुत्र को जोड़ने के लिए कहता है। पुत्र उस नक्शे को ज्यों का त्यों जोड़ देता है। अपने बेटे की प्रतिभा से आश्चर्यचकित पिता पूछता है कि बेटे तुमने यह असंभव कार्य कैसे कर लिया। बेटा कहता है कि पिताजी, नक्शा के पीछे इनसान बना हुआ था। मैंने इनसान को जोड़ा तो नक्शा भी ज्यों का त्यों जुड़ गया। मुनिश्री ने कहा कि इनसान को जोड़ने से पूरा विश्व एक हो सकता है। हे मानव 36 का आँकड़ा बहुत बना लिए, अब 63 का आँकड़ा बनाइए। बुजुर्गों के अनुभव का बखान करते हुए मुनिश्री ने कहा कि बुजुर्ग की एक-एक झुर्री पर एक-एक शास्त्र का ज्ञान लिखा होता है। बुजुर्ग की अवहेलना मत करिए। वे जो कह रहे हैं, उसे सुनो। उल्टा जवाब मत दो। जवाब दोगे तो घर का माहौल खराब हो जाएगा। झगड़ा, क्लेश व द्वेष फैलेगा। बुजुर्गों का सम्मान करना सीखो। आज जो बुजुर्गों के साथ करोगे, वहीं तुम्हारे साथ होगा।

मोदी बनाम इंडिया

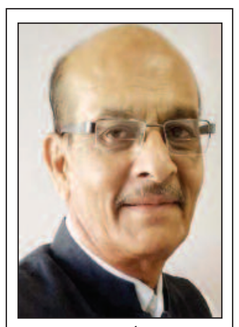

सनत जैन

अगला लोकसभा चुनाव मोदी बनाम इंडिया के बीच होगा। इंडिया बनाम भारत भी लोकसभा चुनाव में महत्वपूर्ण रोल अदा करेगा। भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी की अभी तक की रणनीति थी, कि मोदी नहीं तो कौन? इस रणनीति मैं मोदी के समान किसी की भी नेता की लोकप्रियता नहीं थी। राहुल गांधी को 2014 से 2019 के बीच में पप्पू साबित कर दिया गया था। मोदी के सामने देश में कोई भी लोकप्रिय नेता नहीं था। जो उनका मुकाबलाकर सके। अब जिस तरह की स्थिति वतार्मान में बन रही है। उससे यह स्पष्ट हो चला है, कि अब मोदी बनाम इंडिया के बीच में चुनावी महासंग्राम होगा। इंडिया के 28 राजनीतिक दलों के गठबंधन मोदी के मुकाबले में सामने आ रहा है। प्रधानमंत्री पद की दौड़ में कोई भी नाम मोदी के सामने नहीं आ रहा है। 28 राजनीतिक दलों की लामबंदी और इंडिया गठबंधन ने मोदी और भारतीय जनता पार्टी को बड़ी चुनौती देने का काम किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी काफी परेशान हो गई है। भारत शब्द भी भारतीय जनता पार्टी को फायदा नहीं पहुंचा पा रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक हुई। उसमें भारत जोड़ो की बात हुई। अब विपक्षी दलों के गठबंधन ने जब अपना नाम इंडिया रखा। इस इंडिया नाम का विरोध भारतीय जनता पार्टी ने किया। यह प्रयास भी निष्फल साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके पहले कई योजनाओं का नाम इंडिया के नाम पर रख चुके हैं। उसमें वोट फॉर इंडिया का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने दिया था। विपक्षी गठबंधन ने इसे हथिया लिया है। वोट फॉर इंडिया और जीतेगा इंडिया का नारा विपक्षी दल के गठबंधन द्वारा प्रचारित किया जा रहा है। अब इंडिया नाम के विरोध करने से आम जनता के बीच में इसका कोई प्रभाव देखने को नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया के नाम से कई योजनाओं को प्रचारित किया। इंडिया शब्द भारत के सभी राज्यों में बड़ी तेजी के साथ प्रचलित हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी रैलियां और चुनाव भाषणों में पिछले वर्षों में इंडिया शब्द का उपयोग करते हुए मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित किया था। यही इंडिया शब्द अब भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इंडिया को अंग्रेजी भाषा को गुलामी और संम्भ्रान्त कुलीनों की भाषा बताते हुए, इंडिया गठबंधन का जो विरोध किया। वह नागरिकों के पल्ले नहीं पड़ रहा है। इंडिया गठबंधन द्वारा जिन 400 सीटों पर भाजपा के मुकाबले उम्मीदवार खड़े किए जा रहे हैं। यहां पर पहले भाजपा का कोई जनाधार नहीं था। वोटों के बंटवारे और क्षेत्रीय पार्टियों की लड़ाई का लाभ भाजपा को पिछले चुनाव में मिला था। 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्यों के ताकतवर क्षेत्रीय राजनीतिक दल इंडिया गठबंधन से जुड़ चुके हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी को सबसे ज्यादा चुनौती, इन्हीं 400 लोकसभा सीटों से मिलने जा रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ इत्यादि राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच में सीधी लड़ाई है। दक्षिण के राज्यों में आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु इत्यादि राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का कर्नाटक को छोड़कर बाकी जगह कोई प्रभाव देखने में नहीं मिलता है। उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड इत्यादि राज्यों में इंडिया गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दल प्रभावी भूमिका में है। वहीं भाजपा के एनडीए गठबंधन से जुड़े हुए राजनीतिक दलों की हैसियत इंडिया के गठबंधन से जुड़े राजनीतिक दलों के मुकाबले में बहुत कमजोर है। अभी तक की स्थिति को देखते हुए यही लगता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का मुकाबला, इंडिया गठबंधन के साथ होगा। इंडिया गठबंधन में प्रधानमंत्री पद को लेकर जिस दावेदारी की आशंका थी। इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव के बाद सांसदों की बैठक में नेता पद का चुनाव का चयन करने की बात कहकर, व्यक्तिगत मुकाबले से, लोकसभा चुनाव में दूरी बना ली है। मोदी की छवि को खंडित करने के लिए इंडिया गठबंधन के नेताओं ने महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक धार्मिक सद्भाव को लेकर जो लड़ाई लड़ी जा रही है। उसका आम मतदाताओं में अब असर होता हुआ दिख रहा है। पिछले 9 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र में सत्ता हैं। जो वायदे उन्होंने 2013-14 से लेकर अभी तक किए हैं। वह वायदे सपनो पर आधारित साबित हो रहे है। जिसके कारण भाजपा विश्वसनीयता के संकट के दौर से गुजर रही है। वहीं इंडिया गठबंधन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को उक्त मुद्दों पर हमला कर रहा है। इससे भारतीय जनता पार्टी के लिए मुसीबत बढ़ रही है। साथ-साथ मोदी बनाम इंडिया के नाम पर 2024 के लोकसभा चुनाव की जो विशात इंडिया गठबंधन ने बिछा दी है। इसी बिसात पर लोकसभा 2024 का चुनाव लड़ा जाएगा. अब देखना है, कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन लोक लुभावन योजनाओं और जी-20 का कितना असर लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में हो पाता है।

फुटबॉल : कोच से ज्यादा सोच जरूरी

संदीप भूषण

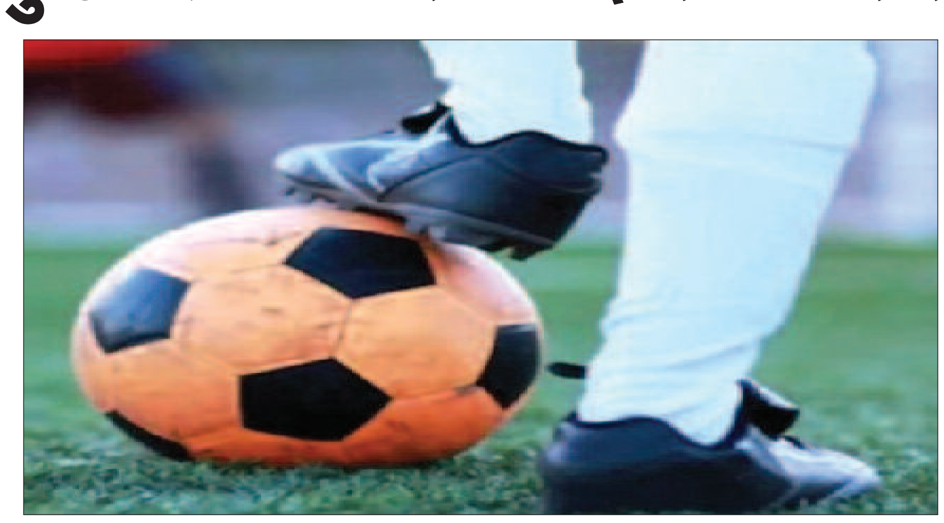

फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने जून के आखिर में जब टीमों की रैंकिंग जारी की तो भारतीय फुटबॉल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई।

भारतीय टीम और उसके नये कोच के प्रदर्शन की चर्चा होने लगी। माना जा रहा है कि क्रोएशिया के पूर्व खिलाड़ी इगोर स्टिमक के नेतृत्व में टीम कायापलट की ओर बढ़ रही है। खिलाड़ियों के खेल और आक्रमण के तरीके में बदलाव की बात भी होने लगी। कोच के टीम चयन की रणनीति को भी सराहा गया। प्रशंसक हों या खेल के जानकार सभी को लगता है कि आगामी एशिया कप में टीम का प्रदर्शन जरूर सुधरेगा। इन उम्मीदों की बड़ी वजह 2017 के बाद भारतीय टीम का शीर्ष सौ में शामिल होना था। इस बीच, जब मीडिया में खुलासा हुआ कि टीम चयन की रणनीति में फिटनेस और प्रदर्शन से अधिक भाग्य और सितारों को तवज्जो दी गई तो सभी के होश उड़ गए। इस बाबत जो रिपोर्ट आई हैं, उनमें कहा गया है कि जिस खेल में शीर्ष के देश खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन और फिटनेस को टीम चुनने का आधार मानता है, उसमें भारतीय फुटबॉलरों को टीम में जगह बनाने के लिए उनके सितारों का बुलंद होना बेहद जरूरी है। खिलाड़ी का प्रदर्शन ठीक होने के बाद भी अगर उसके ग्रह-नक्षत्रों की चाल सही नहीं है, तो टीम में उसका चयन नामुमकिन है। रिपोर्ट में खासकर जून में एशियन कप क्वालिफायर के लिए टीम चयन का जिक्र है, जिसके लिए कोच और भारतीय फुटबॉल फेडरेशन ने एक एस्ट्रोलॉजर का सहारा लिया और उसे इसके लिए मोटी फीस भी चुकाई गई। भारतीय फुटबॉल फेडरेशन और क्रांतिकारी बदलाव के लिए मशहूर कोच स्टिमक को लेकर हुए इस खुलासे ने फुटबॉल प्रेमियों को झकझोर दिया। पहले से ही अपने विकास और प्रसार से जुड़ी मुश्किलों से घिरे भारतीय फुटबॉल जगत में खिलाड़ियों के उत्पीड़न का भी अंदाजा इस एक खुलासे से लगाया जा सकता है। हाल के वर्षो में जिस कोच के नेतृत्व में भारतीय फुटबॉल के मौन पुनरुत्थान की बात की जा रही थी, उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। जिस कोच को समर्पित दृष्टिकोण और अटूट प्रतिबद्धता के साथ चुपचाप भारतीय फुटबॉल टीम को फीफा विश्व कप में एक ऐतिहासिक स्थान की ओर ले जाने का श्रेय दिया जा रहा है, उसकी पोल खुल गई है।

ग्रहों-नक्षत्रों के आधार पर टीम को सफलता दिलाने की रणनीति बनाने से पहले फेडरेशन और कोच को टीम के पुराने रिकॉर्ड ही जांच लेने चाहिए थे। ज्यादा पहले की बात न भी करें तो 2017 भारतीय फुटबॉल के लिए दो दशक में पहला ब्रेकथ्रू था। टीम अपने बेहतरीन खेल से फीफा रैंकिंग में 96वें रैंक पर पहुंच गई थी। इस कैलेंडर वर्ष के दौरान भारत ने नौ में से सात मैचों में जीत दर्ज की थी और दो ड्रॉ खेले थे। कोच स्टेफेन कॉन्स्टेनटाइन के निर्देशन में टीम ने बेहतरीन प्रदशर्न किया, लेकिन तब टीम चयन के लिए किसी ग्रह-नक्षत्र की जगह प्रदशर्न और फिटनेस को ही आधार बनाया गया था।

बताते चलें कि इसी वर्ष फेडरेशन ने फुटबॉल के संपूर्ण विकास के लिए 'विजन 2047' के रूप में एक रोडमैप पेश किया। इससे उम्मीद जगी कि देश की स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में भारत एशियाई फुटबॉल के क्षेत्र में नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसमें भारत का राष्ट्रीय फुटबॉल दर्शन में स्काउटिंग से डेटा एकत्र करने, एक तकनीकी पाठ्यक्रम बनाने, कोच और खिलाड़ियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने और राष्ट्रीय टीम के लिए एक प्रतिभा पूल में तब्दील होने की बात कही गई। एक नेशनल स्पोर्ट्स विजन के साथ आगे बढ़ने के लिए फेडरेशन द्वारा पारिस्थितिकी तंत्र के सभी स्तरों पर फुटबॉल की गुणवत्ता में सुधार के लिए कोच शिक्षा कार्यक्रम विकसित करने की बात प्रमुखता से कही गई है। इसके लिए 50,000 सक्रिय कोच, जिनमें से करीब 4500 न्यूनतम एआईएफएफ 'सी' लाइसेंस प्राप्त, बनाने का लक्ष्य है।

इस तरह आज भारत 100 गांवों में 35 मिलियन बच्चों तक पहुंचने के लिए ग्रामीण ग्रासरूट कार्यक्रमों लागू करने के अलावा एक मिलियन खिलाड़ियों को पंजीकृत करने और 25 मिलियन बच्चों को फुटबॉल के स्कूलों के माध्यम से फुटबॉल शिक्षा प्रदान करने की बड़ी पहल को लेकर विचार कर रहा है। अलबत्ता, आज जो स्थिति हमारे सामने है, उसमें तो इन सभी बातों और वादों को कोरा ही कहा जा सकता है। बहरहाल, इस घटना ने भारतीय फुटबॉल जगत को काफी नुकसान पहुंचाया है। जो युवा इस खेल का हिस्सा बनने के सपने संजो रहे होंगे, उनके लिए यह बड़ा झटका है। बावजूद इसके, हमें भारतीय फुटबॉल के प्रदर्शन में आई गिरावट का आकलन और कोच को लगातार बदलने की परंपरा के लिए फेडरेशन की निंदा करने से बचना होगा क्योंकि पिछले छह दशक से हम यही सब तो करते आए हैं।

आज समय है कि हम फेडरेशन को बताएं कि वह इन दकियानूसी सोच से आजाद होकर अपने ही बनाए 'विजन 2047' पर ध्यान दे। फुटबॉल के दिग्गज भी इस बात पर जोर देते आए हैं कि भारत में इस खेल के विकास के लिए पुराने ढर्रे पर चलने की बजाय कुछ नया सोचना होगा और उसे जमीन पर लागू करना होगा। वित्तीय संकट से जूझ रहे क्लबों को दोबारा से खड़ा करना होगा। क्लब जिंदा होंगे तो खिलाड़ियों के विकास में भी मदद मिलेगी। स्थानीय टूनार्मेंटों को बढ़ावा दिया जाए और ग्रासरूट लेवल तक सुविधाएं पहुंचाई जाएं।

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 पवनानंद गिरी जी होंगे महाराष्ट्र रत्न अवार्ड से सम्मानित

संस्कार उजाला
नई दिल्ली। महाराष्ट्र के सर्वोच्च सम्मान महाराष्ट्र रत्न अवॉर्ड से महान संत एवं समाजसेवी श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर पवनानंद गिरी जी महाराज को सम्मानित किया जाएगा। 13वां महाराष्ट्र रत्न अवॉर्ड से महामंडलेश्वर को सम्मानित करने की घोषणा से संत समाज एवं उनके भक्तों में काफी उत्साह एवं खुशी की लहर है। मयूर हाल जुहू रोड, अंधेरी वेस्ट, मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान महामंडलेश्वर श्री पवनानंद गिरि जी महाराज को महाराष्ट्र रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इसका आयोजन अंजन गोस्वामी और श्रीमती अनीता ए. गोस्वामी के द्वारा किया गया है।

श्री श्री 1008 श्री महामंडलेश्वर पवनानंद गिरि जी महाराज श्री श्री अयोध्या धाम पीठाधीश्वर के रूप में समाज की सेवा कर रहे हैं तथा अपने संत संस्कार एवं सेवा भाव से काफी ख्याति प्राप्त की है। अपने घर परिवार को छोड़कर वह भगवान श्री राम के चरणों में समर्पित है तथा मानवता की सेवा ही उनका मुख्य लक्ष्य है। इस दिशा में वह लगातार कई ऐसे काम किए हैं, जो समाज एवं व्यक्ति के लिए अनुकरणीय है। यही कारण है कि महामंडलेश्वर पवनानंद गिरी जी महाराज को 13 में महाराष्ट्र रत्न अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। इससे संत समाज का मन बड़ा है तथा उनके भक्तों में काफी खुशी है।

अंग्रेजी के "सी" से हुआ सिरदर्द

संस्कार उजाला, महेश शर्मा
गांव की नयी नवेली दुल्हनअपने
पति से अंग्रेजी भाषा सीख रही
थी,
लेकिन अभी तक वो "सी"
अक्षर पर ही अटकी हुई है।
क्योंकि, उसकी समझ में नहीं
आ रहा था कि
"सी" को कभी "च" तो
कभी "क" तो
कभी "स" क्यूं बोला जाता है।
एक दिन वो अपने पति से
बोली, आपको पता है,
"चलचत्ता के चुली भी च्रिचेट
खेलते हैं"
पति ने यह सुनकर उसे प्यार से
समझाया
, यहां "सी" को "च" नहीं
"क" बोलेंगे।
इसे ऐसे कहेंगे, "कलकत्ता के
कुली भी क्रिकेट खेलते हैं।
"पत्नी पुनः बोली "वह
कुन्नीलाल कोपड़ा तो केयरमैन
है न ?
"पति उसे फिर से समझाते हुए
बोला, "यहां "सी" को "क"
नहीं "च" बोलेंगे।
जैसे, चुन्नी लाल चोपड़ा तो
चेयरमैन है न
थोड़ी देर मौन रहने के बाद पत्नी
फिर बोली,"आपका चोट, चैप
दोनों चाटन का है न ?
"पति अब थोड़ा झुंझलाते हुए
तेज आवाज में बोला,
अरे तुम समझती क्यूं नहीं, यहां
"सी" को "च" नहीं "क"
बोलेंगे
ऐसे, आपका कोट, कैप दोनों
कॉटन का है न
पत्नी फिर बोली - अच्छा
बताओ, "कंडीगढ़ में कंबल
किनारे कर्क है ?
"अब पति को गुस्सा आ गया
और वो बोला, "बेवकुफ, यहां
"सी" को "क" नहीं "च"
बोलेंगे।
जैसे - चंडीगढ़ में चंबल किनारे
चर्च है न
पत्नीसहमते हुए धीमे स्वर में
बोली,"
और वो चरंट लगने से चंडक्टर
और च्लर्क मर गए क्या ?
"पति अपना बाल नोचते हुए
बोला," अरी मूरख, यहां
"सी" को "च" नहीं "क"
कहेंगे...
करंट लगने से कंडक्टर और
क्लर्क मर गए क्या?
इस पर पत्नी धीमे से बोली,"
अजी आप गुस्सा क्यों हो रहे
हो... इधर टीवी पर देखो-
देखो...
"केंटीमिटर का केल और
किमेंट कितना मजबूत है
"पति अपना पेशेंस खोते हुए
जोर से बोला, "अब तुम आगे
कुछ और बोलना बंद करो
वरना मैं पगला जाऊंगा।"
ये अभी जो तुम बोली यहां
"सी" को "क" नहीं "स" कहेंगे
-
सेंटीमीटर, सेल और सीमेंट
हां जी पत्नी बड़बड़ाते बोली,
"इस "सी" से मेरा भी सिर
दर्दकरने लगा है।
और अब मैं जाकर चेक
खाऊंगी,
उसके बाद चोक पियूँगी फिर
चाफी के साथ
चैप्सूल खाकर सोऊंगी
तब जाकर चैन आएगा।
उधर जाते-जाते पति भी
बड़बड़ाता हुआ बाहर निकला..
तुम केक खाओ,
पर मेरा सिर न खाओ..
तुम कोक पियो या
कॉफी, पर मेरा खून न पिओ..
तुम कैप्सूल निगलो,
पर मेरा चैन न निगलो..
सिर के बाल पकड़ पति ने
निर्णय कर लिया कि अंग्रेजी में
बहुत कमियां हैं।
हमारी मातृभाषा हिंदी है
हिंदी दिवस की सभी
हिंदुस्तानियों अनंत बधाई।
हम हिंदुस्तानी हैं हिंदी बोलेंगे

हिन्दी वर्णमाला का क्रम से कवितामय प्रयोग-बेहतरीन है

हिंदी वर्णमाला

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	क
ख	ग	घ	ड़	च	छ	ज
झ	ञ	ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न	प	फ
ब	भ	म	य	र	ल	व
श	ष	स	ह	क्ष	त्र	ज्ञ

संस्कार उजाला
अ चानक
आ कर मुझसे
इ ठलाता हुआ पंछी बोला
ई श्वर ने मानव को तो
उ त्तम ज्ञान-दान से तौला
ऊ पर हो तुम सब जीवों में
ऋ ष्य तुल्य अनमोल
ए क अकेली जात अनोखी
ऐ सी क्या मजबूरी तुमको
ओ ट रहे होंठों की शोखी
औ र सताकर कमजोरों को
अं ग तुम्हारा खिल जाता है
अः तुम्हें क्या मिल जाता है.?
क हा मैंने- कि कहो
ख ग आज सम्पूर्ण
ग र्व से कि- हर अभाव में भी
घ र तुम्हारा बड़े मजे से
च ल रहा है
छो टी सी- टहनी के सिरे की
ज गह में, बिना किसी
झ गड़े के, ना ही किसी
ट कराव के पूरा कुनबा पल
रहा है
ठौ र यहीं है उसमें
डा ली-डाली, पत्ते-पत्ते
ढ लता सूरज
त रावट देता है
थ कावट सारी, पूरे
दि वस की-तारों की लड़ियों से
ध न-धान्य की लिखावट लेता
है
ना दान-नियति से अनजान अरे
प्र गतिशील मानव
फ रेब के पुतलो
ब न बैठे हो समर्थ
भ ला याद कहाँ तुम्हें
म नुष्यता का अर्थ.?
य ह जो थी, प्रभु की
र चना अनुपम...
ला लच-लोभ के
व शीभूत होकर
श र्म-धर्म सब तजकर
ष ड्यंत्रों के खेतों में
स दा पाप-बीजों को बोकर
हो कर स्वयं से दूर
क्ष णभंगुर सुख में अटक चुके
हो
त्रा स को आमंत्रित करते
ज्ञा न-पथ से भटक चुके हो.!!

टीएमसी की बैठक: बुद्ध स्थली को वैश्विक ख्याति देना ही मुख्य उद्देश्य : डीएम

संस्कार उजाला, आरके शर्मा
कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय पर्यटक केंद्र कुशीनगर के विकास हेतु टेंपल मैनेजमेंट कमेटी की आवश्यक बैठक जिलाधिकारि उमेश मिश्रा की अध्यक्षता और अपर जिलाधिकारी की उपस्थिति में कलक्ट्रेट सभागार सभी सम्बन्धित गणों के साथ सम्पन्न की गई। कुशीनगर टेम्पल एरिया में अब तक हुए विकास कार्यों और भावी समय में कराए जाने वाले विकाश कार्यों को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुतीकरण उपजिलाधिकारी कसया कसया द्वारा किया गया तथा पर्यटन क्षेत्र के रूप में विश्व स्तर पर विकसित करने,पर्यटकों को लुभाने/अन्य विकास कार्यों के लिए कमेटी के सदस्यों द्वारा सुझाव व आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव भी मांगे गये। बैठक के दौरान विकास खण्ड फाजिलनगर के तरफ से कराए जाने निर्माण कार्यों बुद्ध गमन मार्ग,दुराव, फरेंदहा अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्य जाने की जानकारी दी गयी, (उस्मानपुर) प्राचीन नाम घोड़ नाथ,कुकुत्था नदी (पुरैना घाट) आदि को पर्यटन क्षेत्र,नौका विहार,ग्रीन पार्क एरिया आदि के रूप में के विकास का कार्य भी कराया जाएगा। पर्यटकों की बेहतर सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए कुशीनगर पर्यटन थाना क्षेत्र की शुरूआत की गई है। भरौली पोखरा जिसका क्षेत्रफल 1.600 हे0 है जिसे विकसित करने हेतु प्रस्ताव कमेटी में प्रस्तुतिकरण किया गया।

उक्त एरिया को विकसित किये जाने के सम्बन्ध में उप जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि शिव मंदिर का विकास किया जाएगा वहां बोट/नाव चलाया जाएगा, चारों तरफ ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा,बुद्ध की प्रतिमा भी लगवाई जाएगी। करुणा सागर पार्क को पर्यटन के रूप में विकास कर पर्यटन के रूप में विकसित किया जायेगा। इसके अलावे गांधी चौक को लखनऊ के हजरतगंज मार्केट चौराहे के रूप में विकसित किये जाने की भी बात कही गई। प्रस्तावित बुद्धा उपवन व एयरपोर्ट कुशीनगर के विकास का भी प्रस्ताव रखा गया। कसया पड़रौना मार्ग पर फूड पार्क बनाये जाने, फूड स्टाल लगवाए जाने व टैक्सी स्टैंड बनवाये जाने सहित स्ट्रीट फूड हब कुशीनगर, रामभार स्तूप के सामने सरकारी भूमि पर पब्लिक लाइब्रेरी, कैफेटेरिया, रैन बसेरा बनवाकर विकसीत किये जाने हेतु प्रस्तावित किया गया। कुशीनगर टेम्पल एरिया में वर्तमान में हो रहे कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि बुद्धा थीम पार्क, विपश्यना उपवन, जो वर्तमान में निमार्णाधीन है तथा फाजिलनगर में जैन मंदिर की प्रगति शून्य बताई गई।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि कुशीनगर को विश्व स्तर पर ख्याति देना मेरा उद्देश्य है,जहां बुद्ध की इस धरती को विकासित करना ही लक्ष्य है,इस एरिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास करना है, महात्मा बुद्ध की धरती है जिन्होंने ऐसे सिद्धांत दिए जिसे पूरे विश्व ने स्वीकार किया। उनके उद्देश्यों, उनके लक्ष्यों को आगे बढ़ाना है,तथा यहां के टूरिज्म को, आर्थिक विकास के क्षेत्र को, पर्यटन को विकास करना ही लक्ष्य है।

इस अवसर पर सरकारी कागजात में बकया नाला का नाम बदलकर हिरण्यवती नदी नाम रखे जाने की मांग की गई। जिलाधिकारी ने अब तक हुए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नियमित बैठक होती रहेगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा,उप जिलाधिकारी कसया, भिक्षु भदन्त ज्ञानेश्वर भंते,डॉ0 नन्द रतन फेरो श्रीलंका बुद्ध विहार,प्रबंधक पथिक निवास,भिक्षु सोंग करन थाई बुद्ध विहार, पर्यटक सूचना अधिकारी प्राण रंजन सहित अन्य सभी सम्बन्धित उपस्थित रहे।

श्री राम चरित मानस - विचार

संस्कार उजाला
निज कृत कर्म जनित फल पायउँ।
अब प्रभु पाहि सरन तकि आयउँ।।
सुनि कृपाल अति आरत बानी।
एकनयन करि तजा भवानी।।
(अरण्यकांड 1/7)

राम कथा सुनाते हुए शिव जी पार्वती से कहते हैं कि चित्रकूट में राम जी एकबार अपने हाथों से सीता जी का श्रृंगार कर रहे थे । इंद्र पुत्र जयंत भगवान के बल की थाह लेने के लिए सीता जी के चरणों में चोंच मार कर भाग चला । राम जी ने सरकंडे का बाण उस पर छोड़ दिए ।

वह सबके पास मदद के लिए गया पर किसी ने उसे बैठने तक के लिए भी नहीं कहा । नारद ने ब्याकुल जयंत को राम जी के पास भेजा । जयंत आता है, राम जी से रक्षा की गुहार लगाता है । वह कहता है कि प्रभु! अपने किए का फल मुझे मिल गया है , अब मेरी रक्षा कीजिए ।जयंत की दुखारी वाणी को सुनकर राम जी ने उसे एक आँख से हीन कर छोड़ दिया । मित्रों! हम आप भी तो इस संसार में जयंत की तरह घूम रहे हैं , अपने कर्मों का फल भोग रहें हैं । कोई पूछ भी नहीं रहा है , लेकिन राम शरण नहीं ले रहें हैं । अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए राम शरण ले लीजिए, राम जी हमें आपको भी स्वीकार कर सुखी कर देंगे । अस्तु! शरण लेने में देर न करें , चलें ! जय जय राम शरणम , सियाराम शरणम प्रेम से बोलिए जय सियाराम।। जय सियाराम ओम हनुमते नमः मनोज त्रिपाठी भैसवार सतना

माँ अक्षरा अमृतमयी, हिंदी तुझे शत-शत नमन

संस्कार उजाला
स्वर और व्यंजन में निहित,तू ही प्रथम परिबोध है,
तेरे बिना संभव कहाँ,अनुभूतियों पर शोध है,
तू काल चिंतन की कला,तू शब्द है,तू ही सृजन
माँ अक्षरा अमृतमयी.....
रस,छंद,रूपक से बनी,तू शिल्प की अलकापुरी,
आरोह में,अवरोह में,तू ही भरी रस-गागरी,
अभिव्यक्ति से गुंजित हुई,सारी धरा,सारा गगन,
माँ अक्षरा अमृतमयी....
तू लक्षणा,अभिव्यंजना,अभिधा मधुर मृदुभाषिणी,
तू सूफियों की लाडली,तू उर्वशी,कामायनी,
साकेत,भारत-भारती, गोदान तू,तू ही गबन,
माँ अक्षरा अमृतमयी....
निर्गुण-सगुण के रूप में,तूने हरी मन की व्यथा, तूने रचे साखी सबद,तूने रची मानस कथा,
सत्संग से तू ही बनी,पद, सोरठा,दोहा,भजन...
माँ अक्षरा अमृतमयी,हिंदी तुझे शत-शत नमन....
हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं..मुझे मातृभाषा से प्रेम है,उस पर गर्व है

संक्षिप्त डायरी

बार एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार के खिलाफ किया पुतला दहन

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह
हापुड़। उत्तर प्रदेश के जनपद हापुड़ मैं, 29 अगस्त को महिला अधिवक्ता ने एक पुलिस कर्मी पर अपने साथ बदतमीजी करने का आरोप लगाया था!जिसके चलते पुलिस ने अपने ऊपर आरोप लगते देख अधिवक्ताओ पर लाठी चार्ज कर दी जिसका वीडियो शोसल मीडिया पर वायरल हो गया। 30 अगस्त को अधिवक्ताओ ने तहसील चौराहे पर शांति पूर्वक धरना किया था! उसी क्रम मैं यूपी के कुछ जिलों मैं अधिवक्ताओ ने अपना अपना कार्यकाल बंद कर दिया जिससे जगह जगह अधिवक्ताओ के धरना प्रदर्शन आज तक जारी हैं !बतादें की दिनांक 14 सितंबर को भी हापुड़ बार एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया और पुलिस प्रशासन मुदार्बाद के नारे भी लगाए जिसमें करीब दौ सौ से ज्यादा अधिवक्ताओ ने भाग लिया !मिली जानकारी के अनुसार इससे पहले हापुड़ बार एसोसिएशन ने हापुड़ पुलिस प्रशासन के खिलाफ पुतला दहन किया था अधिवक्ताओ ने कहा की जब तक हमें न्याय नहीं मिलेगा तब तक हमारा धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

हापुड़ में भीड़ भाड़ वाली जगह पर एण्टीरोमियों स्क्वाड टीम द्वारा की गई चेकिंग

संस्कार उजाला, तेजवीर सिंह
हापुड़ । समस्त थानों की एण्टीरोमियों स्क्वाड टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों भीड़-भाड़ वाले इलाकों एवं पार्क आदि स्थानों पर मनचलों शोहदों की चेकिंग की जा रही है दिनांक 14 सितंबर को नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद हापुड़ में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद की समस्त थानों की एण्टीरोमियों टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, गांव कस्बों, पार्कों व भीड़-भाड़ वाले इलाकों के आस-पास मनचलों एवं शोहदों की चेकिंग की गयी तथा अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्ध लड़कों युवकों से पूछताछ कर उन्हें हिदायत दी जा रही है।

हिंदी दिवस14 सितंबर पर विशेष

संस्कार उजाला
हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। तभी तो हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस और 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। 14 सितंबर एक ऐसा दिन होता है, जब हिंदी न बोलने वाले लोग भी हिंदी को याद कर लेते हैं। दरअसल, देश में हिंदी की अनदेखी को रोकने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है। महात्मा गांधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा कहा था और इसे देश की राष्ट्रभाषा भी बनाने को कहा था। इसके अलावा कई साहित्यकारों ने भी इसको लेकर अथक प्रयास किए, लेकिन इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिला। हालांकि इसे भारत की राजभाषा जरूर माना गया। कब हुई हिंदी दिवस मनाने की शुरूआत? 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान के भाग 17 व अनुच्छेद 343(१) में हिंदी (देवनागरी) लिपि को आधिकारिक भाषा के तौर पर स्वीकार किया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने इस एतिहासिक दिन के महत्व को देखते हुए हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया और 14 सितंबर 1953 को पहला हिंदी दिवस मनाया गया था। हिंदी दिवस मनाने का उद्देश्य क्या है? हिंदी दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को इस बात से रूबरू कराना होता है कि जब तक वे पूरी तरह से हिंदी का उपयोग नहीं करेंगे, तब तक हिंदी भाषा का विकास नहीं हो सकता है। इसीलिए हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 14 सितंबर को स्कूलों, संस्थानों, विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों और बैंकों आदि में अंग्रेजी के स्थान पर हिंदी का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।
हिंदी दिवस पर पुरस्कार समारोहः इसी दिवस पर देश भर में विभिन्न हिस्सों में पुरस्कार समारोह आयोजित किया जाता है।
हिंदी दिवस की आप सभी को शुभकामनाएं
आप सभी का शुभेच्छु
आशीष सिंघल (संपादक) 24 Express News
जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद् रजि० गौतम बुध नगर

हिंदी को रोजगार की भाषा बनाना जरूरी: दिनेश तिवारी

हिंदी भाषा वैज्ञानिक भाषा है: राजेश सिंह

संवाददाता
कुशीनगर। हिंदी को मात्र पाठ्यक्रम का विषय मानकर उसे विषय के रूप में हिंदी पढ़ने वालों की जिम्मेदारी समझना उसकी उपेक्षा और कमजोर स्थिति का कारण है। हिंदी सिर्फ विद्यालयों महाविद्यालयों में पढ़ा जाने वाला विषय नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और विचारों की संवाहक है। हमें इस बात को समझना होगा तब हम हिंदी के असली उत्तराधिकारी कहे जाएंगे। उक्त बातें बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार और कवि दिनेश तिवारी ने कही। उन्होंने कहा कि हिंदी जितना ज्यादा रोजगार की भाषा बनेगी उतना ही मजबूत होगी। इसलिए इसे रोजगार की भाषा बनाना जरूरी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हिंदी के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश सिंह ने कहा कि हिंदी भाषा वैज्ञानिक भाषा है। हमारे संविधान में आज के दिन ही इसे राजभाषा बनाया गया था इसलिए भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1953 से इस दिन को हिंदी दिवस के रूप में मानने का निर्णय लिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी सिंह ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है आज के दिन हमे इस

बात का प्रण लेना चाहिए कि अपने दैनिक जीवन में इसका अधिक से अधिक प्रयोग करेंगे। डॉ रविशंकर प्रताप राव ने हिंदी के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य की चर्चा करते हुए हिंदी के महत्व को बताया और कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी भाषा और हिंदी क्षेत्र का योगदान अतुलनीय है। डॉ गौरव तिवारी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि दैनिक जीवन में हिंदी का प्रभाव लगातार कम होता जा रहा है। यह चिंता का विषय है। यह सिर्फ भाषा नहीं हमारी संस्कृति की संवाहक है। आजकल बच्चे फलों सब्जियों के हिंदी नाम और हिंदी में गणना भूल गए हैं। हमारी भाषा में सब कुछ को महसूस करने की एक बड़ी परंपरा विरासत में मिली थी। हिंदी के कमजोर होने से हम अपनी विरासत को खो देंगे। डॉ अंबिका प्रसाद तिवारी ने कहा कि हिंदी भाषा व्यापार के माध्यम से पूरी दुनिया में पहुंच चुकी है। हमारे प्रधानमंत्री ने इसे संवाद की भाषा बनाकर और विस्तार दिया है। डॉ दीपक ने कहा कि हिंदी के प्रसार में फिल्मों और मजदूरों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इन दोनों ने इसे देश और दुनिया के कोने कोने तक पहुंचा दिया है। डा रामनवल ने कहा कि हिंदी को भले राजभाषा कहा जाता है लेकिन वह अभी तक राजकाज की भाषा ठीक से बन नहीं पाई है। इसके लिए प्रयास किए जाने चाहिए। डॉ राकेश सोनकर ने हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग की वकालत करते हुए कहा कि अपने मां बाप की तरह हमे अपनी भाषा पर भी गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ राकेश सोनकर, अनुज कुमार, कमलेश और राम सनेही सहित विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

दिल्ली में शादी का झांसा देकर जेनयू छात्रा से दुष्कर्म, एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में शादी का झांसा देकर एक व्यक्ति ने जेएनयू छात्रा के साथ बलात्कार किया। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दक्षिण दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की छात्रा शिकायतकर्ता केके ने अपनी

शिकायत में बताया कि उसकी मुलाकात करीब चार साल पहले एक संस्था के माध्यम से एक व्यक्ति एके से हुआ। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा,वे दोस्त बन गए। इस साल 3 अप्रैल को, वह वजीराबाद में अपने फ्लैट पर थी। वह आया और शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। अब वह उससे शादी करने से इनकार कर रहा है। डीसीपी ने कहा, वजीराबाद पुलिस स्टेशन में धारा 376 (बलात्कार) के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की जा रही है।

सेंधमारी के एक मामले में 11 साल से वांछित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर 23 थाना इलाके में 2010 में हुई सेंधमारी के एक मामले में 11 साल से फरार चल रहे संजय मिश्रा नामक एक बदमाश को द्वारका साउथ थाना पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। वह उप्र के गोरखपुर का रहने वाला है। द्वारका सेक्टर 23 थाने की पुलिस को इसकी तलाश थी। द्वारका कोर्ट ने 2012 में इसे भगोड़ा भी घोषित कर दिया था।

डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया की एसीपी मदनलाल मीणा की देखरेख में द्वारका साउथ थाना के एसएचओ आशीष कुमार दूबे की टीम ऐसे भगोड़ों के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत इसके बारे में पता लगाने का काम कर रही थी। पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और मैनुअल इन्फॉर्मेशन के आधार पर पता लगाना शुरू किया। इसी बीच पुलिस टीम को सूचना मिली कि आरोपित दिल्ली के इंटरस्टेट बस टर्मिनल, आनंद विहार आने वाला है। पुलिस टीम ने वहां पर ट्रैप लगाया और जैसे ही यह वहां पर पहुंचा, उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में इसने पुलिस टीम को यही बताया कि बेल मिलने के बाद वह फरार हो गया था, क्योंकि उसे यह लग रहा था कि इस मामले में उसे कोर्ट द्वारा सजा होगी। पुलिस से बचने के लिए वह लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। किसी भी एक जगह पर ज्यादा दिन तक नहीं रुकता था।

कहासुनी में जीजा ने साले की उंगली चबाई, बचकर भागा तो ईंट से किया हमला

पूर्वी दिल्ली। अरविंद नगर इलाके में कहासुनी होने पर एक शख्स ने दांतों से अपने साले की उंगली चबा ली। किसी तरह से पीड़ित खुद को बचाने के लिए भागने लगा तो ईंट उठाकर उसके सिर पर वार कर दिया।परिवार के सदस्यों ने घायल हालत में आशु को इलाज

के लिए जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया। उसकी शिकायत पर जाफराबाद थाना पुलिस ने प्राथमिकी की है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

पांच साल पहले हुई थी शादी

आशु अपने परिवार के साथ अरविंद नगर इलाके में रहता है। परिवार में चार भाई व बहन है। पांच वर्ष पहले उसने अपनी बहन पूजा की शादी हरियाणा के रहने वाले विकास तिवारी से की थी।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार के कार्यालयों और स्ट्रीट लाइट का होगा एनर्जी ऑडिट

नई दिल्ली। बिजली की खपत कम करने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए केजरीवाल सरकार अपनी इमारतों, कार्यालयों और स्ट्रीटलाइट्स का 'एनर्जी ऑडिट' करवाएगी। इस एनर्जी ऑडिट का उद्देश्य बिजली के अधिक इस्तेमाल करने वाले स्थानों का पता लगाना और वहां स्मार्ट तरीक़ों से बिजली की खपत को कम करने की रणनीति तैयार करना है।

साथ ही सरकारी भवनों के साथ-साथ, सभी वाणिज्यिक मॉल, प्लाजा, अस्पताल, संस्थागत भवन, बहुमंजिला और ऊंची गैर-घरेलू इमारतें, उद्योग आदि, जिनमें स्वीकृत भार 500 किलोवाट और उससे अधिक है, को भी बीईई के नियमों के अनुसार अपना विस्तृत एनर्जी ऑडिट कराना होगा।

इस बाबत सरकार द्वारा जल्द ही एक नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। इसके अनुसार सभी मौजूदा और नए वाणिज्यिक मॉल, प्लाजा, अस्पताल, मल्टी-स्टोरी और हाई राइज गैर-घरेलू इमारतें, उद्योग, सरकारी,बोर्ड या निगम के स्वामित्व वाली इमारतें, जल आपूर्ति विभाग की इमारतें (ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में नामित उपभोक्ता के अतिरिक्त) जिनका स्वीकृत लोड 500 किलोवाट या उससे अधिक है। इन्हें बोर्ड ऑफ़ एनर्जी एफ़िशिएन्सी

(बीईई) द्वारा प्रमाणित एनर्जी ऑडिटर द्वारा अनिवार्य विस्तृत एनर्जी ऑडिट करवाना होगा। इन सभी उपभोक्ताओं को नोटिफिकेशन के 6 माह के भीतर एनर्जी ऑडिट करवाना होगा। साथ ही सभी को तीन साल में एक बार एनर्जी ऑडिट करवाना अनिवार्य होगा और ऑडिट रिपोर्ट की सिफ़ारिशों को अमल में लाना होगा।

राजधानी भर में सरकारी भवनों, स्ट्रीटलाइट्स और 500 किलोवाट या उससे अधिक स्वीकृत लोड वाले भवनों के एनर्जी ऑडिट के विषय में साझा करते हुए ऊर्जा मंत्री आतिशी ने कहा, केजरीवाल सरकार बिजली की हर यूनिट के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा उन सभी भवनों/स्थानों का एनर्जी ऑडिट करवाया जाएगा, जहां बिजली की खपत 500 किलोवॉट से ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि, इस प्रक्रिया में बिजली के सभी उपकरणों और उनकी वास्तविक ऊर्जा खपत को मापना, उसका आवश्यक अनुमानित न्यूनतम ऊर्जा के साथ तुलना करना और फिर बिजली की बचत के लिए आर्थिक और तकनीकी रूप से ज़रूरी तरीकों की पहचान करना शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि, एनर्जी ऑडिट से बिजली का दक्षतापूर्ण प्रयोग के लिए भी सुझाव मिलेगा, जिसके परिणामस्वरूप बिजली और पैसे दोनों की बचत होगी।

बिजली मंत्री ने कहा, माना जाता है कि यदि कोई उपभोक्ता बिजली की एक यूनिट की बचत करता है, वो बिजली संयंत्र में उत्पादित 2 यूनिट के बराबर होता है। ऐसे में इन ऑडिट से प्राप्त ऊर्जा-बचत उपायों से दिल्ली की समग्र बिजली मांग को स्थिर करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, एनर्जी ऑडिट से न केवल दिल्ली भर में भवनों में ऊर्जा की खपत को कम करने के तरीकों का पता चलेगा बल्कि इससे वित्तीय बोझ भी कम होगा। साथ ही, यह पहल COw उत्सर्जन को कम करने में मददगार साबित होगा।' बिजली मंत्री आतिशी ने कहा कि एनर्जी ऑडिट, ऊर्जा संरक्षण और दक्षता के प्रति दिल्ली सरकार के सक्रिय रुख को दिखाता है। इसके ज़रिए उन ग़ैर-ज़रूरी स्थानों की पहचान कर जहां बिजली का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, वहाँ बिजली के बचत के प्रभावी उपायों को लागू करने जैसी ये पहल ज़िम्मेदार गवर्नेंस का उदाहरण तो है ही साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बेहद महत्वपूर्ण कदम है।

नोएडा/गाजियाबाद में मिला डेंगू का खतरनाक वेरिएंट डेन-2 स्ट्रेन

नोएडा/गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में लगातार डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन अगर बात करें यूपी के शो विंडो नोएडा और गाजियाबाद की तो यहां पर भी मामले बढ़ते जा रहे हैं। सबसे चिंता की बात है की इन दोनों ही जिलों में डेंगू का नया स्ट्रेन डेन ङ्क 2

पाया गया है, जो बाकी स्ट्रेन के मुकाबले घातक होता है। आमतौर पर डेंगू का मच्छर जुलाई से अक्टूबर के बीच ज्यादा तेजी से पनपता है। इस बार बारिश में गंगा, यमुना समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़कर बाढ़ के हालात बने। इससे मच्छरों को पनपने का मौका मिला। पिछले साल के मुकाबले इस साल अब तक चार गुना ज्यादा डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं। इसी हफ्ते प्रदेश में हुई भारी बारिश से डेंगू के एडीज मच्छर (एशियन टाइगर) के लिए माहौल और मुफीद हो गया है। डॉक्टर कह रहे हैं कि इस बारिश से डेंगू के मामले सर्दियां शुरू होने के बाद तक आ सकते हैं। जिन जगहों पर बारिश में पानी जमा हुआ है, वहां पर ज्यादा सावधानी की जरूरत है। जोड़ों में दर्द की वजह से आम बोलचाल की भाषा में डेंगू बुखार को हड्डी तोड़ बुखार भी कहा जाता है, क्योंकि इसके कारण शरीर व जोड़ों में बहुत दर्द होता है।

डेंगू मच्छर के काटने के करीब 3-5 दिनों के बाद मरीज में डेंगू बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं। कई बार बुखार नहीं भी आ रहा है। डेंगू का सबसे अहम लक्षण बुखार है, जो 4 से 10 दिन तक रह सकता है। ये पेशेंट की उम्र, जेंडर, इम्यूनिटी और मेडिकल कंडिशन पर भी डिपेंड करता है। यह मच्छर साफ पानी में पनपते हैं। इसलिए शहरों में पानी भरने पर डेंगू के मामले तेजी से फैलते हैं।

युवक ने मोबाइल पर वीडियो बनाकर की खुदकुशी, मंगेतर को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में एक युवक ने मोबाइल पर वीडियो बनाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की शिनाख्त नीरज कुमार मौर्य (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने छानबीन के दौरान नीरज का मोबाइल अनलॉक किया तो उसकी मौत की वजहों का खुलासा हो गया। नीरज ने अपनी मौत के लिए अपनी मंगेतर और उसके परिवार को जिम्मेदार ठहराया था।

पुलिस ने नीरज की मां से लिखित में शिकायत लेकर उसकी मंगेतर व परिजनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। नीरज के परिजनों का आरोप है कि उसकी मंगेतर के परिवार ने शादी से पहले इतनी शर्तें रख दी कि वह बर्दाश्त नहीं कर पाया और उसने मौत को गले लगा लिया। पुलिस ने नीरज के मोबाइल के अलावा घर से कई अन्य चीजें अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही नीरज की मंगेतर प्राची और उसके परिवार को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस दिया जाएगा। जाफराबाद थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से अयोध्या, यूपी का रहने वाला नीरज अपनी मां विमला देवी के साथ गली नंबर-7, मौजपुर, दिल्ली में रहता था। इसके पिता की मौत हो चुकी है। बड़ा भाई मनोज और बहन पिंकी अपने-अपने परिवारों के साथ अलग रहते हैं। नीरज एक निजी फाइनेंस कंपनी में

नीरज की मां विमला ने आरोप लगाया कि सगाई के बाद प्रीति और उसके परिजनों ने उस पर इतनी शर्तें लगा दीं कि वह परेशान हो गया। यहां तक प्रीति ने शादी के बाद नीरज की मां को भी साथ रखने से मना कर दिया।

नौकरी करता था। करीब दो साल पूर्व नीरज की मुलाकात एक शादी में कानपुर, यूपी निवासी प्रीति मौर्य से हुई थी। दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे। प्रीति नीरज की दूर की रिश्तेदार भी लगती थी। परिजनों की सहमति से 22 अप्रैल, 2023 को दोनों की दिल्ली में सगाई हो गई। प्रीति रेलवे में नौकरी करती है, फिलहाल उसकी तैनाती प्रयागराज में है। वह वहीं रेलवे क्वार्टर में परिवार के साथ रहती है।

'नोएडा आपके द्वार' कार्यक्रम में शराब पीकर पहुंचे तहसीलदार, ग्रामीणों ने किया हंगामा

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण 'नोएडा आपके द्वार' कार्यक्रम चलाता है। कार्यक्रम में बड़े अधिकारी और तहसीलदार समेत कई अन्य लोग शामिल होते हैं। नोएडा के ग्रामीण इलाकों और अलग-अलग सेक्टरों की समस्याओं को सुनकर समाधान किया जाता है। गुरुवार को भी अथॉरिटी की तरफ से बहलोलपुर गांव में 'नोएडा आपके द्वार' कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए थे। इस कार्यक्रम में तहसीलदार भीम सिंह पहुंचे। थोड़ी देर बाद उनकी हरकतों से लोगों को समझ में आया कि उनके साथ कुछ गड़बड़ है। जब पास जाकर लोगों ने चेक किया तो वह शराब के नशे में धुत मिले। इसके बाद ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। कार्यक्रम शुरू ही हुआ था इसलिए इसकी जानकारी प्राधिकरण के आला अधिकारियों को दी गई। इस कार्यक्रम में

प्राधिकरण के तमाम अधिकारी पहुंचने वाले थे। इस घटना के बाद उन्होंने अपना ही कार्यक्रम रद्द कर दिया। ग्रामीणों ने भी तहसीलदार भीम सिंह के कई वीडियो बनाएं और उनकी गाड़ी की चेकिंग भी की, जिसमें शराब की बोतल मिली है। कार्यक्रम में आला अधिकारियों के ना आने से ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया।जानकारी के मुताबिक भीम सिंह मायावती के रिश्तेदार बताए जा रहे हैं और काफी समय से नोएडा प्राधिकरण में तहसीलदार के पद पर तैनात हैं। बताया यह भी जा रहा है कि इससे पहले भी वह कई बार ऑन ड्यूटी शराब के नशे में मिले हैं। फिलहाल नोएडा प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों का कहना है मामले में एक्शन लिया जाएगा।

पारिवारिक अदालत के आदेश के खिलाफ 30 दिनों के भीतर दायर की जानी चाहिए अपील याचिका : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली। पारिवारिक अदालत के निर्णय को चुनौती देने वाली एक महिला की याचिका पर महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने माना कि पारिवारिक अदालतों की डिक्री या आदेश के खिलाफ अपील डिक्री निर्णय सुनाने के 30 दिनों के भीतर दायर की जानी चाहिए।

अदालत ने नोट किया कि हिंदू विवाह अधिनियम (एचएमए) और परिवार न्यायालय अधिनियम- 1984 के तहत प्रदान की गई सीमा अवधि के बीच स्पष्ट विसंगति है। न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने कहा कि संशोधित एचएमए-वर्ष 2003 में अपील के लिए 90-दिन की सीमा अवधि का उल्लेख किया है, जबकि पारिवारिक न्यायालय अधिनियम ने 30-दिन की सीमा अवधि निर्धारित की है।

ऐसे में अदालत ने माना कि जिला अदालत के अपील योग्य आदेश और डिक्री के खिलाफ अपील दायर करने की सीमा अवधि एचएमए की धारा 28 के तहत निर्दिष्ट 90 दिन की अवधि होगी। हालांकि, जहां भी पारिवारिक अदालतें स्थापित की गई हैं, वहां पारिवारिक न्यायालय अधिनियम-1984 लागू होगा।

अदालत ने कहा कि ऐसे में पारिवारिक न्यायालय अधिनियम की धारा 19 के तहत पारिवारिक अदालत के डिक्री या आदेश के विरुद्ध अपील याचिका 30 दिनों के भीतर दायर की जानी चाहिए। अदालत ने उक्त निर्णय एक महिला की अपील याचिका पर दिया। जिसमें महिला ने पारिवारिक अदालत के एचएमए की धारा 13(1) (आइए) के तहत उसके पति की तलाक की याचिका को अनुमति दी थी। सुनवाई के दौरान पति प्रारंभिक आपत्ति उठाते हुए कहा था कि अपील पारिवारिक न्यायालय अधिनियम के तहत परिसीमा द्वारा वर्जित थी।

गाजियाबाद में रेडिसन होटल के मालिक को दी धमकी

गाजियाबाद। जिले के कौशांबी स्थित होटल रेडिसन ब्लू के मालिक करण जैन ने भाजपा के राज्यसभा सदस्य अनिल अग्रवाल के एक रिश्तेदार पर गुरुवार को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। जैन ने सांसद अग्रवाल पर भी आरोप लगाया है कि उन्होंने फोन पर धमकी देने वालों से बातचीत करने का दबाव भी बनाया। जैन ने इसको लेकर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जैन ने कहा कि आरोपितों ने उन्हें होटल की सातवीं मंजिल से नीचे फेंक कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले में जैन की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। इस मामले में खास बात यह है कि जैन के भाई अमित जैन ने भी करोड़ों रुपये का कर्ज होने के चलते पिछले साल नवम्बर में आत्महत्या कर ली थी। उधर सांसद अग्रवाल ने कहा है कि उनका इस मामले से कोई लेनादेना नहीं है। इन लोगों ने लोगों से पैसे ले रखें है। जब ये लोग अपने पैसे मांगते हैं तो ये लोग उल्टे अपने पैसे मांगने वालों के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करने की धमकी देते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी को कोई धमकी नहीं दी है। जैन की कॉल पर हुई बात का रिकॉर्ड निकालकर पुलिस जांच कर सकती है।

तहरीर में करण जैन ने कहा है कि वह होटल की सातवीं मंजिल केएम ट्रेड टॉवर स्थित

अपने कार्यालय में बैठे हुए थे। 13 सितंबर की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे ऑफिस स्टाफ ने मुझे आकर बताया कि कुछ लड़के होटल में जबरन घुस आए हैं और उन्हें ऑफिस खाली करने की धमकी दे रहे हैं। सूचना पर मैं जब अपने ऑफिस से बाहर निकला तो कुछ लड़के मेरे स्टाफ से काफ़ी ज्यादा बदतमीजी कर रहे थे। वो कुल पांच लोग एक साथ थे। उन्होंने मेरे साथ भी काफ़ी बदसलूकी की। उन्होंने मुझे होटल का शीशा तोड़कर सातवीं मंजिल से नीचे फेंकने की धमकी भी दी। आरोपितों ने यहां शारीरिक नुकसान पहुंचाने की भी कोशिश की।उन्होंने बताया कि मेरे कार्यालय से रोहित तोमर ने पीसीआर पर कॉल करने की भी कोशिश की, जो उस समय विफल रही। इसके बाद कौशांबी पुलिस चौकी प्रभारी को ही फोन करके इस पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। इसके बाद कौशांबी थाने की पुलिस होटल पर तुरंत आई। यह पूरी घटना ही सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। जैन ने यह भी आरोप लगाया है कि 'जब मैं पुलिस को यह पूरा घटनाक्रम बता रहा था, तभी मेरे पास भाजपा सांसद अनिल अग्रवाल की कॉल आई। उन्होंने मुझे धमकी देने वाले लोगों से मिलकर बातचीत करने को कहा। उन्होंने कहा कि अन्यथा की स्थिति में वे इन लोगों को बिलकुल नहीं रोक पाएंगे और ये लोग किसी भी हद तक जा सकते हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद से ही मुझे जान का खतरा बना है। कौशांबी थाना पुलिस ने होटल मालिक जैन की शिकायत पर गौरव अग्रवाल, दीपक अहलावत और अज्ञात लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 504, 506 में एफआईआर दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

दिल्ली कांग्रेस के नए अध्यक्ष का पदभार ग्रहण समारोह शुरू, सालों बाद कार्यालय में मेले जैसी रौनक; ट्रैफिक बाधित

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने आज दिल्ली कांग्रेस कार्यालय में एक रंगारंग समारोह में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान प्रदेश कार्यालय में कई साल बाद मेले जैसी रौनक देखी गई। यहां पूरा माहौल उत्सव जैसा था। लवली का पदभार ग्रहण समारोह कई हजार लोगों की मौजूदगी में

हुआ। इस दौरान दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर ट्रैफिक भी रुक-रुककर चला।

बजते रहे ढोल-नगाड़े

कांग्रेस के पार्टी कार्यालय पूरे समय ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे और नपीरी ताशे वाले भी मौजूद रहे जो लगातार धुनें बजाते रहे।

वहीं मंच पर ज्यादातर पुराने कांग्रेसी मौजूद रहे जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ, दिल्ली के सभी पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व पार्षद शामिल रहे। इसके साथ ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जेपी अग्रवाल, अजय माकन और अध्यक्ष पद के दावेदार देवेंद्र यादव भी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार सुभाष चोपड़ा और अनिल चौधरी अरविंदर सिंह लवली के साथ ही कार्यालय पहुंचे। लवली का स्वागत आतिशबाजी के साथ हुआ और साथ ही जिंदाबाद के नारे लगे।

क्या बोले संदीप दीक्षित

पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित ने कहा, डेढ़ साल बाद फिर से कांग्रेस, दिल्ली की सेवा करेगी। गौरतलब है कि लवली को फूलों की बड़ी माला पहनाने और उसमें शामिल रहने के दौरान संदीप दीक्षित मंच पर गिर पड़े।

रागिनी नायक ने कही बड़ी बात

राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने कहा, अगर ऊपर से गठबंधन नहीं हुआ तो दिखा देंगे दिल्ली के कांग्रेसियों के खून में कितना लोहा है।

जय प्रकाश अग्रवाल

दिल्ली में न भाजपा का योगदान और न ही आप का। कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर इन दोनों के खिलाफ लड़ेगा।

देवेंद्र यादव

हमें कई मोर्चों पर एक साथ लड़ना है। आने वाला समय पुराने समय की याद दिलाएगा।

अनिल चौधरी

मेरी कमी रही कि मैं सबको नहीं जोड़ पाया। लवली ने कर दिखाया। आखिरी सांस तक उनका साथ दूंगा। सभी शपथ लीजिए कि लवली और कांग्रेस को मजबूत करेंगे

सुभाष चोपड़ा

शीला जी सत्ता में आई तो दिल्ली में हर क्षेत्र में विकास हुआ। आप बताए कि उसने क्या किया आज तक? लवली के आने के बाद आप की हालत खराब हो गई है। जो जिम्मेदारी लवली को मिली है उसे हम सब मिलकर पूरा करेंगे। कांग्रेस जल्द ही दोबारा सत्ता में आएगी।

अजय माकन

मेरा दिल्ली कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया से अनुरोध है कि वह आलाकमान को यह संदेश जरूर दें कि लवली के नेतृत्व में कांग्रेस एकजुट होकर सड़कों पर उतरने के लिए तैयार है। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। हमें किसी का साथ नहीं चाहिए।

दिल्ली से लंदन के लिए रवाना हुई फ्लाइट अचानक पहुंची पाकिस्तान के एयर स्पेस, वापस लौटी राजधानी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लंदन के लिए रवाना हुई फ्लाइट (एयर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) कुछ ही देर में अचानक आईजीआई एयरपोर्ट लौट आई। दरअसल, उड़ान के समय विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई थी, जिस वजह से फ्लाइट को वापस दिल्ली एयरपोर्ट लौटना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, आईजीआई एयरपोर्ट लौटने के दौरान फ्लाइट पाकिस्तान के एयर स्पेस में चली गई थी। इस दौरान विमान पाकिस्तान हवाई क्षेत्र में 32,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था। विमान में तकनीकी खराबी का पता चलने पर यात्रियों की सांसें थम गई थी। हालांकि विमान में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं।

एल्ट सेंटर के बूथ पर भी संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन ने बाजी मारी कर्मवीर नागर के नेतृत्व वाले संगठन का जलवा बरकरार

संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद की मेरठ में हो रही मतगणना में इनमारसैट सेक्शन के बूथ पर भी संचार निगम एग्जिटिव संगठन ने ही परचम लहराया, एल्ट सेंटर के बूथ पर भी संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन ने बाजी मारी। कर्मवीर नागर के नेतृत्व वाले संगठन का जलवा बरकरार।

जिला दूरसंचार गाजियाबाद में संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन का एक तरफ जलवा कायम। दिनांक 12 सितंबर 2023 को बीएसएनएल में एग्जीक्यूटिव एसोसिएशंस के देशव्यापी वेरिफिकेशन हेतु मतदान संपन्न हुआ। जिसकी मतगणना 14 सितंबर 2023 को देश भर में सभी दूरसंचार जिला मुख्यालयों पर की गई लेकिन एआईजीजेटीओ नामक संगठन के कुछ लोगों ने गाजियाबाद की मतगणना में धांधली की बेवजह आशंका जताते हुए शिकायत की थी जिसके आधार पर बीएसएनएल मुख्यालय के आदेश पर गाजियाबाद की मतगणना मेरठ में करने का आदेश पारित किया गया। लेकिन मतपेटियों को गाजियाबाद से मेरठ सुरक्षित पहुंचाने के लिए पुलिस बल मिलने में हुई देरी के कारण लगभग 1:30 बजे दोपहर मतपेटियां पुलिस सुरक्षा में गाजियाबाद से मेरठ के लिए रवाना हुई। इस बीच प्रातः 10:00 बजे से ही पूरे देश की मतगणना प्रारंभ हो

जाने के बाद संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन के पक्ष में सुनामी लहर देखने को मिली। दिनांक 12 सितंबर 2023 को संपन्न हुए बीएसएनएल संगठन के चुनाव में कुल आठ संगठन चुनावी मैदान में थे। लेकिन यह पहली बार हुआ है कि जब संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन को अकेले 60% से अधिक मत प्राप्त हुए। इस तरह इस बार संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन ने अन्य सभी संगठनों का सूफड़ा साफ कर दिया है। संचार निगम एग्जीक्यूटिव एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के चेयरमैन कर्मवीर नागर ने बताया कि यह एसएसएनईए की अभूतपूर्व और ऐतिहासिक जीत है। इस जीत में सेवा संगठन ने रीढ की हड्डी का काम किया है। इस जीत के लिए सेवा संगठन के राष्ट्रीय नेता एनडी राम भी विशेष तौर पर बधाई के पात्र हैं। इस जीत के लिए देश के कोने-कोने में कार्यरत एक एक एग्जीक्यूटिव बधाई का पात्र है। इस जीत के लिए संगठन के वह सभी पदाधिकारी बधाई के पात्र हैं जिनके अथक प्रयास ने इस सफलता को चार चांद लगाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस शानदार जीत के लिए सर्किल सचिव आर पी शर्मा और सभी जिला सचिव भी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने एक एक वोट रूपी मोती को पिरोकर इस मजबूत माला को बनाने का काम किया है।इस शानदार जीत के लिए सेवा संगठन के एक एक मेंबर भी योगदान के लिए बधाई का पात्र है। इस मौके पर कर्मवीर नागर ने सभी सदस्यों और राष्ट्रीय महासचिव एम एस अडसुल और राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष समाधिया को इस शानदार जीत की बधाई देते हुए कहा कि जल्दी ही गाजियाबाद में जीत का जश्न मनाने का बड़ा आयोजन किया जाएगा जिसमें सभी राष्ट्रीय नेताओं को बुलाकर सम्मानित किया जाएगा।

डेंगू ने ली एक युवक की जान

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। बादलपुर गांव के एक मेहनती समाजसेवी युवा को अचानक फीवर आने से मौत हो गई जब घर वालों को पता चली इस युवक को ब्लड आ रहा है तो उन्हें मोहन स्वरूप हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर एम्स हॉस्पिटल दिल्ली में भर्ती कर दिया गया जहां पर उसकी डेंगू की पुष्टि हुई तथा अगले ही दिन मात्र 12 घंटे में राधे नागर बादलपुर निवासी युवक जो की एक हर क्षेत्र में चाहे खेल का क्षेत्र हो चाहे समाज में सेवा करने का क्षेत्र हो सब में बढ़ चढ़कर वह हिस्सा लिया करते थे हम सबके बीच से अपने परिवार के लोगों को छोड़कर जिनके पीछे उनकी बीवी के साथ-साथ उनके माता-पिता तथा तीन बच्चों को अनाथ करके डेंगू की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई इस सूचना को सुनकर पूरे बादलपुर ग्राम में दुख की लहर दौड़ पड़ी सर्व समाज में दुख की लहर है।

भारत मां के इन वीर सपूतों को नमन

नोएडा/जम्मू-कश्मीर: अनंतनाग मे 140 करोड लोगों के सुरक्षित भविष्य के लिए , भारत मां के इन वीर सपूतों ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए , बलिदानीयों को नमन। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देते हुए भारतीय सेना और पुलिस के इन महान वीरों ने क्षणभर भी यह नहीं सोचा कि उनके बाद उनके माता-पिता, पत्नी बच्चे , भाई बहन कैसे जिएंगे और उनका क्या हाल होगा। इस देश में लोग अपने स्वार्थ , लाभ- हानि और राजनीतिक महत्वाकांक्षा के कारण , नफरत की आग में इस कदर जल रहे हैं और अंधे हो गए हैं कि.

1. वो सेना द्वारा देशहित में की गई प्रत्येक करवाई पर शक और उंगली उठाते है और झूठा प्रचार करते हैं ।
2. राजनीतिक पार्टियों के सपोर्टर अपने निजी फायदे , स्वार्थ और अपनी पसंद ना पसंद के कारण उन पार्टियों का गुणगान और जय जयकार करते हैं , जो सत्ता पाने के लिए देशद्रोह में लिप्त लोगों की खुले रूप से सहायता और वकालत करती हैं । लोकतंत्र में सरकारें आती जाती रहती हैं और सभी का काम करने का तरीका अलग-अलग है । आप उन्हें पसंद या ना पसंद कर सकते हो लेकिन

1. क्या हम , अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण इतने स्वार्थी हो गए हैं कि , हमें अपने देश और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी दाव पर लगा दे।
2. क्या हमारा राजनीतिक स्वार्थ देश के स्वाभिमान और अखंडता से भी सर्वोपरि है ? और क्या हम अपने क्षणिक भौतिक सुख और बड़प्पन के लिए के लिए , अपनी संवेदनाएं , भावनाओं , संस्कारों और आत्मा की भी तिलांजलि दे दे ?

यह देश सबका है सरकार में बैठे लोगों का ही नहीं , आज वो है , कल को कोई दूसरा होगा और परसों कोई तीसरा होगा ।

एक पल को निष्पक्ष होकर ईमानदारी से सोचो

1. क्या हमें उन पार्टियों और लोगों का समर्थन करना चाहिए जो खुले रूप से देशद्रोही लोगों और शक्तियों का समर्थन करते हैं?
2. क्या हमें इतना निष्ठुर होना चाहिए कि अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए हम देश और आने वाले पीढ़ियों का अस्तित्व ही खतरे में डाल दे ।
3. अगर ये वीर सपूत आपके भाई या आपके परिवार के सदस्य होते हैं तो फिर भी क्या आप की विचारधारा यही होती या राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर कुछ देश प्रेम जागता ? पहले भी और कल भी भारत मां के वीर सपूतों ने अपने देश और देश की जनता के लिए बलिदान दिया है , तो क्या हमारा कर्तव्य नहीं बनता कि हम देश के अहित में काम करने वाली शक्तियों का गुणगान ना करें। अपने प्राणों की आहुति देने वाले और स्वर्ग में बैठे हुए वीरगति को प्राप्त हुए भारत मां के इन वीर सपूतों को अपने देश की जनता से , चाहे वह किसी भी समूह , जाति, समुदाय से हो , यह आशा तो होगी कि भारत के सभी लोग देश का अहित सोचने वाली पार्टियों और लोगों का गुनगान ना करें। वीर सपूतों की आशाओं पर आप खरे उतरे या तर्क कुतर्क करें ।

शारदा यूनिवर्सिटी में फ्रेशर्स पार्टी आयोजन में विदेशी स्टूडेंट्स ने दी परफॉर्मेंस

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर । ग्रेनो के नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी में बुधवार शाम इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर विभाग समेत सभी कोर्स के स्टूडेंट्स के लिए इग्नाइट डी नाइट नाम से फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। देर रात तक चली पार्टी में स्टूडेंट्स ने जमकर मस्ती की। कार्यक्रम का शुभारंभ यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर वाई.के. गुप्ता ने दीप जलाकर किया। इस दौरान डीजे मिक सोंधी की अपनी प्रस्तुति दी और इनकी धुन पर स्टूडेंट्स जमकर नाचे। इस मौके पर सभी नए छात्र-छात्राएं फैंसी ड्रेस में उपस्थित रहे। विदेशी छात्रों ने भी भाग लिया। इस दौरान फैशन शो, नृत्य और संगीत के विभिन्न कार्यक्रम हुए। मिस्टर इमरान व मिस फ्रेशर अपेक्षा को चुना गया।यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स के बैंड ग्रुप की धुन ने पार्टी का माहौल में मस्ती भर

दी। फ्यूजन में भारतीय और वेस्टर्न संगीत का गजब का संगम देखने को मिला। इस फ्रेशर पार्टी में दुनियाभर के देशों से आए विदेशी स्टूडेंट्स ने भी खूब मस्ती की। दक्षिण अफ्रीका,युगांडा,अफगानिस्तान, नेपाल और भूटान समेत करीब 95 देशों के सीनियर स्टूडेंट्स ने पारंपरिक परिधान और वेश-भूषा में अपने देश के गीत-संगीत से भारतीय स्टूडेंट्स को रू-ब-रू कराया।शारदा यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स वेलफेयर विभाग के डीन डॉ बीके सिंह और पीआर विभाग के डायरेक्टर डॉ अजित कुमार ने कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा शारदा विश्वविद्यालय में शामिल होने का आपका निर्णय अच्छा रहा है, और इसका एहसास आपको अपने कार्यकाल के अंत में होगा। विजेता स्टूडेंट्स को गिफ्ट भी दिए गए।

हिंदी दिवस पर सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता

बिलासपुर। हिंदी दिवस के मौके पर गुरुवार को बिलासपुर क्षेत्र के जूनियर हाई स्कूल जुनेदपुर में सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन करप्शन फ्री इंडिया संगठन द्वारा कराया गया जिसमें प्रथम स्थान रिया नागर को मिला । विजेता बच्चो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के प्रदेश महासचिव मा. दिनेश नागर ने बताया कि आज हिंदी दिवस के मौके पर करप्शन फ्री इंडिया संगठन द्वारा जूनियर हाई स्कूल जुनेदपुर में सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। सुलेख प्रतियोगिता में बच्चों से 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के ऊपर एक निबंध लिखवाया गया जिसमें कुल 65 बच्चों ने प्रतिभा किया। जिसमे प्रथम स्थान कक्षा 8 की छात्रा रिया नागर ने द्वितीय स्थान कक्षा 7 की छात्रा पूर्वी ने तथा तृतीय स्थान कक्षा 8 के छात्र प्रतीक नागर को मिला। विजेता बच्चो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित

किया।इस दौरान मा दिनेश नागर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी दिवस का हम सभी भारतीयों के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि आज ही के दिन हिंदी को राष्ट्रभाषा नहीं बल्कि राजभाषा का दर्जा दिया गया, उन्होंने बच्चों से हिंदी दिवस सिर्फ एक दिन ही नहीं अपितु पूरे साल मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सभी को आपस में बिना हिचकिचाहट के हिंदी में ही बातचीत करनी चाहिए जिससे हिंदी को आधारित भाषा के रूप में पहचान मिले। इस दौरान प्रिंसिपल संजय कुमार भाटी, शैलेंद्र भाटी, प्रमोद कुमार, उर्मिला नागर, बृजेश कुमारी, स्वीटी , मीना, सुमित कुमार दरोगा, मोहित नागर, राजकुमार आदि लोग मौजूद रहे।

जीआईएमएस, ग्रेटर नोएडा में विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह

संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। आत्महत्या दूरगामी सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक परिणामों वाली एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। अनुमान है कि वर्तमान में दुनिया भर में प्रति वर्ष 700,000 से अधिक आत्महत्याएँ होती हैं, और हम जानते हैं कि प्रत्येक आत्महत्या कई और लोगों को गहराई से प्रभावित करती है। "कार्रवाई के माध्यम से आशा पैदा करना" 2021-2023 तक विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का त्रिवार्षिक विषय है। यह विषय कार्रवाई के लिए एक शक्तिशाली आह्वान और अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि आत्महत्या का एक विकल्प है और हमारे कार्यों के माध्यम से हम आशा को प्रोत्साहित कर सकते हैं और रोकथाम को मजबूत कर सकते

हैं।थीम को ध्यान में रखते हुए, विश्व आत्महत्या रोकथाम सप्ताह पूरे विश्व में 10 से 16 सितंबर तक मनाया जा रहा है। सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग ने मेडिकल छात्रों के बीच आत्महत्या और इसकी रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पहल की। पहले दिन, जीआईएमएस के मनोचिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. किरण जाखड़ ने प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने भारत में आत्महत्या की बढ़ती दरों के बारे में चर्चा की और कैसे जागरूकता फैलाने से लोगों को अपने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने में मदद मिलेगी, इससे जुड़े कलंक को पीछे छोड़ दिया जाएगा। प्रतिभागियों को शिक्षित करने और आत्महत्या के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से विदेशी मेडिकल स्नातक इंटर्न के लिए एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था। दूसरे दिन, छात्रों को पोस्टर और नारा-निर्माण प्रतियोगिता के माध्यम से आत्महत्या और उसके कारणों पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन जीआईएमएस के माननीय निदेशक डॉ. (ब्रिगेडियर) राकेश गुप्ता ने किया। जीआईएमएस के विभिन्न विभागों के डॉक्टरों और संकाय सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाई और चर्चा में सक्रिय भाग लिया। पिछले दो दिनों में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ और आने वाले दिनों में होने वाली गतिविधियाँ आत्महत्या की बढ़ती समस्या के समाधान के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दिशानिर्देशों का पालन करके, हम आत्महत्या को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने में प्रगति करना जारी रख सकते हैं। यह निरंतर प्रयास एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है जहां संकट में फंसे व्यक्तियों को आशा, समर्थन और पुनर्प्राप्ति का मार्ग मिले।

संक्षिप्त डायरी

यातायात व्यवस्था सुधार के काम की रफ्तार धीमी

नोएडा, । इस महीने ग्रेटर नोएडा में यूपी ट्रेड शो और मोटो जीपी बाइक रेस होनी है। कार्यक्रम में डेढ़-दो लाख लोगों के आने का अनुमान है। ऐसे में ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए यातायात पुलिस ने करीब दो सप्ताह पहले नोएडा प्राधिकरण को पत्र लिखा था। अब तक इन काम की शुरूआत नहीं हो सकी है। ट्रेड शो एक्सपो मार्ट में और बाइक रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में होनी है। बाइक रेस में ही करीब सवा-डेढ़ लाख लोगों के आने का अनुमान है। इनके साथ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री समेत कई वीवीआईपी भी आएंगे। ये सभी लोग दिल्ली होते हुए चिल्ला और डीएनडी के जरिए नोएडा होते हुए ग्रेटर नोएडा जाएंगे। इस दौरान यातायात व्यवस्था बेहतर रखनी होगी। इसी को देखते हुए नोएडा-ग्रेनो में 27 जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए यातायात पुलिस ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण को पत्र लिखा था। इसके अलावा नोएडा से ग्रेनो तक जगह-जगह साइन बोर्ड, वाहनों के रास्तों में बदलाव से संबंधित जानकारी के बोर्ड भी लगाने हैं। इसके अलावा कई जगह स्पीड ब्रेकर ठीक करने के लिए यातायात पुलिस ने प्राधिकरण के अफसरों से कहा है। नोएडा से ग्रेनो तक लाइटिंग व्यवस्था को भी बेहतर किए जाने की मांग पुलिस ने प्राधिकरण से की है। खास बात यह है कि इन सभी काम किए जाने की अब तक शुरूआत नहीं हो सकी है। इस बारे में यातायात पुलिस के डीसीपी अनिल कुमार यादव ने बताया कि प्राधिकरण के जरिए कराए जाने वाले काम को लेकर अधिकारियों से लगातार संपर्क में हैं। कार्यक्रम शुरू होने से सभी व्यवस्थाएं पूरी करा दी जाएंगी।

सेक्टर-22 से 10 लाख गहने और नगदी चोरी

नोएडा। सेक्टर-22 स्थित घर से चोर 10 लाख के गहने, एक लाख रुपये नगद, एलईडी टीवी, स्मार्ट वॉच और मोबाइल सहित अन्य सामान ले गए। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-24 पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-22 निवासी अमित रावत ने पुलिस को बताया कि चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर लाखों के गहने और नगदी समेत अन्य सामान की चोरी कर ली। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा मैनपुरी निवासी श्रुति अपने रिश्तेदार के घर मोरना आई थीं। चोर ने घर से उनके गहने, मोबाइल और नगदी चोरी कर ली। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक घर के बाहर गली में टहलते हुए और सीढ़ी पर चढ़ते-उतरते दिख रहा है। गांव के लोगों ने महिला को बताया कि जो व्यक्ति फुटेज में दिख रहा है, वह गांव का ही सौरभ है। पुलिस ने इस मामले में सौरभ के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम में शराब पीकर पहुंचे तहसीलदार

नोएडा। प्राधिकरण की ओर से आयोजित होने वाले कार्यक्रम नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम में तहसीलदार शराब पीकर पहुंचे। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य अधिकारियों ने बहलोलपुर गांव में नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन था, लेकिन कार्यक्रम से कुछ मिनट पहले तहसीलदार भीम सिंह बहलोलपुर गांव में पहुंचे। तहसीलदार साहब ज्यादा नशे की हालत में थे। बोलने में उनकी जबान लड़खड़ा रही थी। ग्रामीणों उनको गांव से जाने के लिए कहा और उनके गांव में आने पर प्रतिबंध लगा दिया। मामला बढ़ता देख कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि समस्याओं का समाधान के लिए प्राधिकरण की ओर से नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन होना था। इसको लेकर अधिकारियों ने तैयारियां कीं। कार्यक्रम में प्राधिकरण के एसीईओ और तमाम अफसर जाते, लेकिन उससे पहले तहसीलदार भीम सिंह पहुंच गए। तहसीलदार शराब के नशे में धुत था। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि ऐसे हमारी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा सकता। 21 सितंबर को प्राधिकरण की पूरी तरह से तालाबंदी की जाएगी। इसके लिए गांव-गांव जाकर जनसंपर्क किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि जब ग्रामीणों ने तहसीलदार की गाड़ी चेक की तो उसमें भी बोतल मिली। इसके बाद ग्रामीणों ने तहसीलदार को पकड़ लिया। मामले की जानकारी नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को मिली। इसके बाद एसीईओ ने कार्यक्रम में आना कैंसिल कर दिया। इस मामले के बाद ग्रामीणों में काफी रोष है। नोएडा प्राधिकरण सप्ताह में एक दिन नोएडा आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन करता है। ये आयोजन किसी एक सेक्टर या गांव में होता है। वहां उनकी समस्या सुनी जाती है और समाधान किया जाता है। इस दौरान प्राधिकरण के एसीईओ और डीजीएम स्तर के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते है।

केंद्र को कर्नाटक ने साफ कहा, कावेरी से तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ना संभव नहीं

बेंगलुरु। कर्नाटक ने केन्द्र सरकार से साफ कह दिया है कि कावेरी का पानी तमिलनाडु के लिए छोड़ना मुश्किल है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर कहा कि यदि पानी छोड़ा जाता है तो ऐसा करने पर उनके राज्य के किसानों, आम लोगों और पशुओं को संकट का सामना करना पड़ेगा। सिद्धारमैया ने रेखांकित किया कि किसानों, पशुओं और पीने के लिए कावेरी जल पर निर्भर लोगों को संकट में धकेल कर कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश को लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समिति के निर्णय के अनुसार केआरएस और काबिनी बांधों से बिलिगुंडलू के माध्यम से 15 दिन के लिए 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना संभव नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री शेखावत से राज्य की जनता और पशुधन के हितों की रक्षा का भी अनुरोध करते हुए कहा, कर्नाटक ने समिति के पहले के आदेश का पालन किया था और वर्तमान में अधिकांश तालुक मानसून की विफलता के कारण सूखे का सामना कर रहे हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि जून से मध्य सितंबर तक तमिलनाडु ने 100 टीएमसी पानी का उपयोग किया था। सूखे की अवधि में उपयोग 1987-88, 2002-03, 2012-13, 2016-17 और 2017-18 से अधिक है। हालांकि पानी का स्तर कर्नाटक के बांध सबसे निचले स्तर पर हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की भविष्यवाणी के मुताबिक, 12 से 24 सितंबर के बीच बारिश की कोई संभावना नहीं है। सिद्धारमैया ने कहा कि तमिलनाडु के मेट्टूर बांध में 12 सितंबर को जल भंडारण स्तर 24.233 टीएमसी था। अगर छोड़े गए पानी को ध्यान में रखा जाए, तो तमिलनाडु की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। खड़ी फसलों के लिए 70 टीएमसी पानी, पीने के पानी के लिए 33 टीएमसी पानी और उद्योगों के लिए 3 टीएमसी पानी की आवश्यकता होती है।

इंडिया गठबंधन की बैठक में जाने से ईडी ने रोका : अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया है कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ के लिए उसी दिन को चुना, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वह विपक्षी गठबंधन इंडिया की समन्वय समिति की पहली बैठक में शामिल न हो पाएं। लगभग 10 घंटे तक चली मैराथन पूछताछ के बाद रात 9 बजे से थोड़ा पहले ईडी कार्यालय से बाहर निकलने के बाद तृणमूल सांसद ने कहा, इंडिया के घटक दलों के सदस्यों ने मुझे ईडी के समन को नजरअंदाज करने और समन्वय समिति की बैठक में भाग लेने की सलाह दी थी। लेकिन मैंने ईडी कार्यालय आने का फैसला किया। मैंने इंडिया के सदस्यों से बैठक को स्थगित न करने का भी अनुरोध किया और बुधवार सुबह 11.32 बजे ईडी कार्यालय पहुंचा। उन्होंने दावा किया कि इंडिया की बैठक के दिन ईडी द्वारा उन्हें तलब किया जाना विपक्षी गठबंधन में तृणमूल के महत्व को दर्शाता है। बनर्जी ने कम सजा दर को आधार बनाते हुए ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो जैसी केंद्रीय एजेंसियों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इतनी कम सजा दर से पता चलता है कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की गई अधिकांश जांच मात्र राजनीति से प्रेरित है। बनर्जी ने कहा यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि ईडी और सीबीआई पिक एंड चूज के आधार पर मामलों को आगे बढ़ा रहे हैं। हमें भाजपा शासित राज्यों में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं दिख रही है। साथ ही, केंद्रीय एजेंसियों द्वारा सताए जा रहे विपक्षी दलों के किसी भी नेता को भाजपा में शामिल होते ही क्लीन चिट मिल जाती है। उन्होंने पूछताछ का ब्योरा देने से हालांकि इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि ऐसा लगता है कि उनसे जो सवाल पूछे गए, वे कुछ पूर्वकल्पित धारणाओं से भरे हुए थे।

वंदे भारत के बाद सस्ते किराये वाली ट्रेन वंदे साधारण होगी शुरू

नई दिल्ली। भारत की सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के बाद अब वंदे साधारण ट्रेन शुरू होगी। वंदे भारत में दी गई सुविधाओं की वजह से लोगों का ट्रेन में सफर करना काफी आसान हो गया है। लेकिन, अधिक किराए के कारण अब भी एक बड़ा वर्ग इस ट्रेन के सफर नहीं कर पा रहा है। इसी को देखते हुए केंद्र सरकार ने बजट के अनुकूल 'वंदे साधारण' ट्रेन लाने का फैसला किया है। इन ट्रेनों का लक्ष्य बजट के प्रति जागरूक यात्रियों को किफायती यात्रा प्रदान करना है। हालांकि नाम की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। वंदे साधारण को ऐसे रूट पर चलाने की तैयारी है, जिन रूटों पर प्रवासी मजदूरों की आवाजाही अधिक है और ट्रेनों में भारी भीड़ रहती है। इसके लिए रेलवे ने सर्वे भी कराया है। इस ट्रेन की सुविधाओं के बारे में बात करें तो इस ट्रेन के बनाने की प्रक्रिया इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में शुरू हो चुकी है। इसे अगले कुछ महीने में तैयार कर लिया जाएगा। इसमें सभी सेकेंड क्लास के डिब्बे होंगे। इसलिए इसका किराया भी कम रहने का कयास लगाया जा रहा है। इन ट्रेनों में कुल 24 एलएचबी कोच होंगे और दो इंजन लगाए जाएंगे। कोच में बायो वैक्यूम शौचालय, यात्री सूचना प्रणाली और चार्जिंग पॉइंट जैसी सुविधाओं से डिजाइन किए जाएंगे। साथ ही सुरक्षा के लिए इसमें सीसीटीवी कैमरा तथा ऑटोमैटिक डोर सिस्टम भी होगा। इन ट्रेनों की सबसे बड़ी खासियत रहेगी कि इन की स्पीड मेल और एक्सप्रेस से ज्यादा होगी और स्टॉपेज भी कम होंगे। वंदे भारत की तरह ही इसमें ऑटोमैटिक दरवाजे दिए जाएंगे, जो ट्रेनों के चलने से पहले बंद हो जाएंगे। इन ट्रेनों को खास रूप से गरीब तबके के लोगों को देखकर बनाया गया है। जिसके चलते ये ट्रेन किराए के लिहाज से काफी सस्ती रहेगी। हालांकि अभी कोई इसकी ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

बिहार में डेंगू के डंक से डरी नीतिश सरकार, एक मरीज की हुई मौत

पटना। बिहार में डेंगू अब डराने लगा है। प्रदेश में मरीजों की संख्या 1300 को पार कर चुकी है। वहीं डेंगू से बिहार में एक मरीज की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू से राज्य में पहली मौत की पुष्टि की है। साथ ही विभाग इससे निपटने की हर मुकम्मल तैयारी में जुटा है। राज्य में 200 और लोगों के डेंगू संक्रमित होने के साथ एक दिन में सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए। प्रदेश में अब तक कुल पॉजिटिव केस 1332 हो गए हैं। उधर डेंगू के बढ़ते मामलों को देखकर राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। जिसमें अधिकारियों को सतर्क रहने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हरसंभव प्रयास का निर्देश दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, डेंगू से भागलपुर के रहने वाले एक शख्स की मौत हुई। जहां राज्य में डेंगू के दूसरे सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। डेंगू मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) और एम्स-पटना ने जांच बढ़ा दिया है। इसके संक्रमण का पता लगाने के लिए डेंगू के लिए सीरोलॉजी टेस्ट शुरू कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को रिपोर्ट किए गए 200 मामलों में से सबसे अधिक 67 केस पटना से थे। इसके बाद भागलपुर में 28, औरंगाबाद में 12, सारण में 9 और गया में 8 केस मिले हैं। इस साल अब तक कुल 1332 डेंगू के मामले सामने आए हैं। इसमें से 1057 मामले अकेले सितंबर में दर्ज किए गए हैं। डेंगू के मामलों की संख्या को देखकर पटना में अस्पताल खास अलर्ट पर हैं। राज्य के अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में कुल 242 लोगों का इलाज चल रहा। जिसमें से सबसे अधिक 127 मरीज जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भागलपुर में हैं। इसके बाद पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में 35 मरीज भर्ती हैं। दरभंगा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (डीएमसीएच) में 21 और श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मुजफ्फरपुर में 18 मरीज इलाजरत हैं।

कंपकंपाते हाथों से पिता ने शहीद बेटे को किया सैल्यूट, कंधा देने उमड़े लोग

श्रीनगर। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए जम्मू कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हिमायूं भट्ट को आंसुओं और सिसकियों के बीच उनके पिता और रिटायर्ड आईजी, गुलाम हसन भट ने अंतिम सलामी दी। बुजुर्ग भट ने कंपकपाते हाथों और नम आंखों से अपने डीएसपी बेटे को सैल्यूट किया और लड़खड़ाते कदमों से उनके जनाजे को कंधा दिया। बता दें कि जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के कोकेरनाग के ऊंचाई वाले क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई थी। हिमायूं के पिता गुलाम हसन भट ने 2018 तक जम्मू-कश्मीर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में भी काम किया है। उनका पूरा परिवार श्रीनगर एयर पोर्ट के पास हुमहामा इलाके की वीआईपी कॉलोनी में रहता है। शहीद डीएसपी भट अपने पीछे पत्नी और 28 दिन के नवजात शिशु को छोड़ गए हैं। पिछले साल ही उनकी शादी हुई थी।

जी20 की सफलता का श्रेय मुझे नहीं देश की 140 करोड़ जनता को जाता : पीएम मोदी

भोपाल (एजेंसी)। जी20 शिखर सम्मेलन की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यप्रदेश के बीना में सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जी20 की सफलता का श्रेय 140 करोड़ भारतवासियों को दिया। पीएम मोदी ने कहा कि जो आपकी भावना है, वे आज पूरे देश की भावना है। इस जी 20 की सफलता का श्रेय मोदी को नहीं बल्कि आप सभी को जाता है। उन्होंने कहा कि ये आप सबका सामर्थ्य है, ये 140 करोड़ भारतवासियों की सफलता है। ये भारत की सामूहिक शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारत ने गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर स्वतंत्र होने के स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना शुरू किया है। कोई भी देश, जब ऐसा ठान लेता है, तब उसका कायाकल्प होना शुरू हो जाता है। इसकी एक तस्वीर अभी आपने जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी देखी है।

दरअसल, प्रधानमंत्री गुरुवार को मध्य प्रदेश में थे, जहां उन्होंने बीना रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और राज्य भर में दस नई औद्योगिक परियोजनाओं सहित 50,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार की प्राथमिकता बताकर विपक्ष पर भी जोरदार निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि बीना में बनने वाला ये आधुनिक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स इस पूरे क्षेत्र को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, मैं आपको इसकी गारंटी देता हूं। इससे यहां नए-नए उद्योग लगाने वाले हैं, उन्होंने कहा कि यहां के किसानों और छोटे उद्यमियों को मदद मिलेगी हो, सबसे बड़ी बात है कि मेरे नौजवानों को रोजगार के भी हजारों मौके मिलने वाले हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में हर देशवासी ने अपने भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए ये जरुरी है कि भारत आत्मनिर्भर हो, हमें विदेशों से कम से कम चीजें मांगनी पड़ें। विपक्ष पर निशाना साधकर पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद जिन्होंने लंबे समय तक प्रदेश में राज किया उन्होंने भ्रष्टाचार और अपराध के सिवाय राज्य को कुछ भी नहीं दिया। वहां जमाना था कि यहां अपराधियों का ही बोलबाला था, कानून-व्यवस्था पर लोगों को भरोसा ही नहीं था। लेकिन जब आपने हमें और हमारे साथियों को सेवा का मौका दिया तब हमने पूरी ईमानदारी से मध्य प्रदेश का भाग्य बदलने का भरसक प्रयास किया है। हमने मध्य प्रदेश को भय से मुक्ति दिलाई, यहां कानून-व्यवस्था स्थापित की।

पाकिस्तान पर दबाव डाले बिना कुछ नहीं होगा : जनरल वीके सिंह

इंदौर। केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी. के. सिंह ने कहा कि जब तक हम पाकिस्तान को अलग-थलग नहीं करेंगे तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। यदि पाकिस्तान पर दबाव डालना है तो उसको अलग-थलग करना होगा। अनंतनाग मुठभेड़ पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि हमें पाकिस्तान पर दबाव बनाना होगा, ताकि आतंकवादी गतिविधियां रोकी जा सकें। गौरतलब है कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में कमांडर उजैर खान समेत लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी फंसे हैं। बुधवार को शुरू हुई कोकेरनाग मुठभेड़ में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं भट शहीद हो गए थे। पुलिस ने कहा कि कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धोनक और डीएसपी हुमायूं भट की अटूट वीरता को सच्ची श्रद्धांजलि, जिन्होंने इस चल रहे ऑपरेशन के दौरान सामने से नेतृत्व करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेनाएं उजैर खान समेत लश्कर-ए-तैयबा के 2 आतंकवादियों को घेरने में दृढ़ संकल्प के साथ जुटी हुई हैं।

दोषी पाए गए जनप्रतिनिधियों के आजीवन चुनाव लड़ने पर लगे रोक

-एमिकस क्यूरी ने अपनी रिपोर्ट में की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सांसदों-विधायकों के खिलाफ आपराधिक केस से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा एमिकस क्यूरी बनाए गए वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोषी ठहराए गए जनप्रतिनिधियों को सिर्फ छह साल नहीं बल्कि आजीवन चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करने की सिफारिश की है। शीर्ष अदालत द्वारा एमिकस क्यूरी नियुक्ति के बाद से यह उनकी 19वीं रिपोर्ट है। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष पेश होने वाली अपनी रिपोर्ट में हंसारिया ने कहा, सांसद और विधायक आमजन की संप्रभु इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं और एक बार नैतिक अधमता से जुड़ा अपराध करते हुए पाए जाने पर, उन्हें उस पद को संभालने से स्थायी रूप से अयोग्य ठहराया जाना चाहिए।

हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सिविल सेवकों से संबंधित नियमों की ओर इशारा किया है, जो अनैतिक कार्यों से जुड़े किसी भी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए कर्मचारियों को बर्खास्त करने का प्रावधान करते हैं और केंद्रीय सतर्कता आयोग और मानवाधिकार आयोग जैसे वैधानिक निकायों से संबंधित कानून का भी जिक्र किया है, जो इसतरह के अपराधों के लिए दोषी ठहराए गए किसी भी व्यक्ति को शीर्ष पदों पर नियुक्ति के लिए स्पष्ट रूप से अयोग्य घोषित करते हैं।

हंसारिया की रिपोर्ट में तर्क दिया गया है, अगर वैधानिक पद पर किसी भी दोषी अधिकारी या प्राधिकारी की नियुक्ति नहीं हो सकती है, तब तो यह स्पष्ट रूप से मनमाना है कि इसतरह का दोषी व्यक्ति सजा की एक निश्चित अवधि की समाप्ति के बाद फिर से देश या राज्यों के सर्वोच्च विधायी निकाय संसद या विधानसभा/विधानपरिषद में आकर बैठ सकता है। कानून निर्माताओं को इसतरह के कानून के तहत पद संभालने वाले व्यक्तियों की तुलना में ज्यादा पवित्र और अनुल्लंघनीय होना चाहिए।

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय द्वारा 2016 में दायर याचिका से संबंधित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील हंसारिया को एमिकस क्यूरी नियुक्त किया था। उपाध्याय ने अपनी याचिका में जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी थी, जो एक दोषी सांसद या विधायक को सिर्फ छह साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराती है।

केजरीवाल की पंजाब यात्रा पर कांग्रेस और आप नेताओं की नजर

-गठबंधन को लेकर हो सकती हैं बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पंजाब के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। केजरीवाल की यात्रा को लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई नीति बनाने की पंजाब सरकार की योजना पर उद्योगपतियों से फीडबैक लेने के लिए केजरीवाल गुरुवार और शुक्रवार को जालंधर, लुधियाना और मोहाली में रहने वाले हैं।

बताया जा रहा है कि केजरीवाल अमृतसर और जालंधर में उद्योगपतियों और उद्यमियों के साथ टाउनहॉल बैठकें करने वाले हैं। शुक्रवार को वह लुधियाना और मोहाली में उद्योगपतियों से मुलाकात करने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक वह इन चार प्रमुख शहरों में उद्योगपतियों के मुद्दों और समस्याओं को सुनने वाले हैं। उनके साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान भी रहने वाले हैं। उद्योगपतियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को आप सरकार की औद्योगिक नीति में संबोधित किया जाएगा। उनकी इस यात्रा को राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आप और कांग्रेस के लिए केजरीवाल की यात्रा राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। दोनों दल राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी ब्लॉक इंडिया के मंच पर एक साथ आए हैं। हालांकि, राज्य में गठबंधन के खिलाफ है। जबकि पूर्व पीपीसीसी प्रमुख नवजोत सिद्धू और लुधियाना के सांसद रवनीत बिट्टू को छोड़कर पंजाब कांग्रेस के अधिकांश नेताओं ने पंजाब में गठबंधन के खिलाफ रुख अपनाया है, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रिकॉर्ड पर कहा है कि पंजाब आप अकेले चुनाव लड़ने में सक्षम है, और यह जीतना जानता है। इन घटनाक्रमों की पृष्ठभूमि में, पंजाब में अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान मान और अन्य नेताओं के साथ केजरीवाल की बैठकें पंजाब में इन पार्टियों के बीच गठबंधन के भविष्य पर असर डाल सकती हैं।

बागमती नदी में 33 बच्चों से भरी नाव पलटी, 13 अभी भी लापता

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बड़ा नाव हादसा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार यहां गायघाट के बेनीबाद ओपी क्षेत्र के मधुरपट्टी घाट पर बागमती नदी में नाव पलटने के दौरान 16 बच्चे लापता हो गए हैं, जिनकी तलाश जारी है। बचाव दल ने 20 बच्चों को नदी से बाहर निकाल लिया है। बताया जा रहा है कि नाव में 33 बच्चे सवार थे। मुजफ्फरपुर के बेनीबाद ओपी इलाके के भटगामा गांव के मधुरपट्टी घाट पर गुरुवार को बड़ा नाव हादसा हुआ है। इस हादसे में 30 से अधिक लोगों के डूबने की खबर है, जिसमें दर्जन भर लोगों को बचाया गया है। फिलहाल मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। हादसे के बाद बाहर निकाले गए बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गयी है, आनन-फानन में मौके पर पहुंचे राहत बचाव कार्य शुरू किया गया है।

बच्चों का स्कूल नदी के उस पार है। बच्चे रोज की तरह नाव से स्कूल जा रहे थे। तभी नदी का बहाव तेज होने के चलते नाव पलट गई। गायघाट और बेनीबाद पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच चुकी है। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा है। बताया जा रहा है कि जिस जगह ये हादसा हुआ है वहां के लोग कई सालों से पुल की मांग कर रहे हैं। शॉर्टकट के चक्कर में लोग नाव का इस्तेमाल करते हैं। बच्चे भी शॉर्टकट के चक्कर में ही नाव से ही स्कूल आना-जाना करते हैं।

उधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एसकेएमसीएच में नवनिर्मित पीकू वार्ड का उद्घाटन करने के लिए मुजफ्फरपुर पहुंचने वाले हैं। ऐसे में उनके दौरे के बीच मुजफ्फरपुर में बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल सीएम नीतीश कुमार मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में बन रहे होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र पहुंचने वाले थे जहां वो कैंसर हॉस्पिटल के लैब, और ओटी का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान बिहार के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद रहेंगे।

ज्ञानवापी सर्वेक्षण के दौरान खोजी गई महत्वपूर्ण वस्तुओं को जिला मजिस्ट्रेट को सौंपा

-जब जरुरत हो अदालत को उपलब्ध कराए

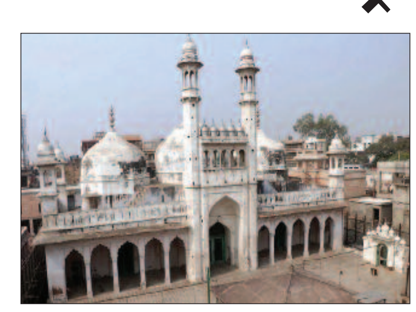

लखनऊ (एजेंसी)। वाराणसी अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद के चल रहे सर्वेक्षण के दौरान खोजी गई हिंदू धर्म से संबंधित सभी ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण वस्तुओं को जिला मजिस्ट्रेट को सौंपने का आदेश दिया। जिला अदालत ने जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को इन वस्तुओं की सुरक्षा करने और आवश्यकता पड़ने पर अदालत को उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। प्रश्नगत स्थल से जो भी वस्तुएं एवं सामग्रियां प्राप्त हो, जो मामले के तथ्यों से संबंधित हों या हिंदू धर्म और पूजा पद्धति से संबंधित हों या ऐतिहासिक या पुरातात्विक दृष्टिकोण से मामले से संबंधित हों, उन्हें सौंप दिया जाए।

पीठ ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट या उनके द्वारा नियुक्त अधिकारी जो उन चीजों को सुरक्षित रखेगा और जब भी अदालत उन्हें मांगेगी, उन्हें अदालत में पेश करेगी। यह आदेश इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उस याचिका पर सुनवाई से पहले आया है, जो वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद के परिसर में स्थित एक मंदिर को पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से एक मुकदमे की वैधता पर सवाल उठाती है। इसके अतिरिक्त, अदालत वाराणसी अदालत के 2021 के निर्देश को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई करेगी, जिसमें एक वकील के नेतृत्व वाले आयोग द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया गया था।

अगले महीने शुरू होगी दलाई लामा की सिकिम्म यात्रा

धर्मशाला। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की भारत-चीन सीमा पर पहाड़ों में बसे पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम की पांच दिवसीय यात्रा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के निमंत्रण पर अगले महीने शुरू होगी है। यह दलाई लामा की 10 से 14 अक्टूबर तक सिक्किम की सातवीं यात्रा होगी। यह तिब्बती आध्यात्मिक नेता और सिक्किम के लोगों के बीच संबंध को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा होगी। पहली यात्रा 1956 में भारत में भगवान बुद्ध की 2500वीं जयंती में भाग लेने के लिए जाते समय हुई थी। उस समय तिब्बत के रास्ते में भारी बर्फबारी के कारण वे लगभग एक महीने तक सिक्किम में रुके थे। उनकी आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, उन्होंने अपनी आखिरी यात्रा दिसंबर 2010 में की थी, तब उन्होंने 17वीं शताब्दी के ताशीडिंग मठ में दो दिवसीय आध्यात्मिक विश्राम किया था, जो सिक्किम के सबसे पवित्र और पवित्रतम बौद्ध मठों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि गुरु पद्मसंभव ने आठवीं शताब्दी ईस्वी में तिब्बत की अपनी यात्रा के दौरान भूटान और सिक्किम दोनों का दौरा किया था। सिक्किम के मुख्यमंत्री तमांग ने इस यात्रा पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दलाई लामा 10 को सिक्किम पहुंचकर 14 अक्टूबर को वापस लौट जाएंगे। जब से हमने 2019 में सरकार बनाई है, हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि परमपावन को सिक्किम आने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए निमंत्रण दिया जाए। आखिरकार, इस वर्ष हमारा प्रयास सफल होता दिख रहा है।

पूर्व सेना प्रमुख मनोज नरवणे ने चीन को दिखाया असली मैप, एक्स पर किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज नरवणे ने चीन का असली मैप साझा किया है। उन्होंने एक्स पर चीन का एक नक्शा शेयर करते हुए कटाक्ष किया है कि आखिरकार किसी को चीन का नक्शा मिल गया जैसा कि वह वास्तव में है। इस बहुरंगी मानचित्र में चीन ने तिब्बत समेत कई क्षेत्रों को अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों के रूप में सीमांकित कर अलग करके दिखाया है। उन्होंने लिखा कि यह चीन का असली मैप है। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के लिए कुख्यात है। मीडिया में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक नक्शे में ताइवान, हांगकांग, तिब्बत, यूनान जैसे अन्य चीन की सीमा से लगे हुए देशों को चीन के कब्जे के तौर पर दिखाया गया है। पूर्व सेना प्रमुख ने ऐसे समय पर यह नक्शा शेयर किया है, जब चीन के नए नक्शे को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। बता दें कि चीन ने 28 अगस्त को देश का नया मैप जारी किया और उसमें ताइवान, अक्साइ चिन और भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताया। भारत ने इसका कड़ा विरोध किया है।

इस बीच देखा जाए तो नक्शे में हांगकांग, तिब्बत, दक्षिण मंगोलिया और यूनान, पूर्वी तुर्कमेनिस्तान और मनचुरिया देशों को चीन के कब्जे वाले देशों के तौर पर दिखाया गया है। वहीं, ताइवान को रिपब्लिक ऑफ चाइना ताइवान के तौर पर पेश किया गया। चीन हमेशा से इन सभी देशों पर अपना दावा करता रहा है। वहीं, भारत के अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों और अक्साई चिन पर भी उसने दावा पेश किया है। मैप में चीन ने नाइन-डैश लाइन पर अपना दावा पेश कर दक्षिण चीन सागर के एक बड़े हिस्से पर दावा किया है। हालांकि, इन हिस्सों पर वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ब्रूनेई अपना-अपना दावा करते रहते हैं।

इस बीच, कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों का कहना है कि चीन ने लद्दाख में हमारी जमीन हथियाई है और केंद्र सरकार कुछ नहीं कर रही। उधर, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के नया नक्शा जारी करने के बाद कहा था कि सिर्फ बेतुके दावे करने से दूसरे लोगों के क्षेत्र आपके नहीं हो जाते। उन्होंने कहा था कि नक्शा जारी करना उन क्षेत्रों पर दावा करने की चीन की 'पुरानी आदत' है जो उसके नहीं हैं। उन्होंने बीजिंग के 'बेतुके दावों' को खारिज कर दिया और कहा, 'मानचित्र जारी करने का कोई मतलब नहीं है।

मेकअप धुलेगा नहीं, खिलेगा!

■ मेकअप सुन्दर और टिकाऊ होने के लिए सबसे पहले त्वचा का स्वस्थ और सुन्दर होना सबसे आवश्यक है। बरसात के मौसम में वातावरण में मौजूद नमी के कारण रोमछिद्र ब्लॉक हो जाते हैं। इसलिए आप सुबह अपनी त्वचा को स्क्रब कर लीजिए। रात को सोने के पहले चेहरे को फेस वॉश से क्लीन कर लीजिए। इससे त्वचा साफ और सुकोमल रहेगी।

■ बरसात के दिनों में मेकअप टिकाऊ रहे इसके लिए वॉटर प्रूफ पैन स्टिक, और वॉटर प्रूफ पैन-केक का इस्तेमाल आप बेस बनाने के लिए कर सकती हैं। पार्टी में जाते समय आप चाहें तो केवल टू-वे केक का इस्तेमाल भी बेस के लिए कर सकती हैं। इससे भी मेकअप काफी देर तक टिका रहता है।

■ आंखों को बड़ा और सुन्दर दिखने के लिए आई लाइनर लगाते समय ध्यान रखना चाहिए कि लाइनर वॉटरप्रूफ हो ताकि बूंदा-बांदी पड़ने पर फैले नहीं। अगर आप रोज-रोज लाइनर नहीं लगाना चाहती हैं तो आप पर्मानेंट आई लाइनर भी लगावा सकती हैं। इससे आंखें हर समय और हर मौसम में सुन्दर दिखती हैं।

■ आजकल कजरारे नैनों का फैशन है, लेकिन बरसात के दिनों में पानी से काजल फैलने की संभावना बनी रहती है इसलिए इस मौसम में वॉटरप्रूफ आई लाइनर का इस्तेमाल आप चाहें तो काजल की जगह कर सकती हैं। अच्छा रहेगा कि आप आंखों में पर्मानेंट काजल करवालें इससे काजल फैलने का डर भी नहीं रहेगा और आंखें हर पल कजरारी नजर आएंगी।

■ पलकें ज्यादा कर्ली, धनी और सुन्दर दिखे इसके लिए आप इस मौसम में वॉटरप्रूफ मस्कारा का प्रयोग करें तो अच्छा रहेगा। आप किसी अच्छे कॉस्मेटिक क्लीनिक से पर्मानेंट मस्करा भी लगवा सकती हैं इससे आपको रोज-रोज मस्कारा लगाने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि पर्मानेंट मस्कारा 10-15 दिनों तक टिकता है।

■ आप अगर बिन्दी लगाने जा रहें हैं तो इस मौसम में अच्छी क्वालिटी की चिपकने वाली बिन्दी का प्रयोग करें क्योंकि लिक्विड अथवा पाउडर बिन्दी इस मौसम में टिक नहीं पाती। खास मौकों पर आप किसी अच्छे ब्यूटी क्लीनिक से वॉटरप्रूफ बिन्दी भी बनावा सकती हैं।

■ बरसात के मौसम में होंठ सुन्दर दिखे और लिपस्टिक देर तक टिकी रहे इसके लिए आप पहले लिप लाइनर से होंठों को शेप दें और फिर मैट लिपस्टिर लगाकर पाउडर पफ से ट्रॉस्परेंट पाउडर लगा लें, इसके ऊपर लिप ग्लौस लगा लीजिए। लिपस्टिक देर तक टिकेगी भी और सुन्दर भी दिखेगी।

■ इस मौसम में बालों को सैट करने के लिए हेयर स्टाईलिंग जैल और कर्लिंग स्टाइल से बालों को सैट नहीं करना चाहिए। इससे भींगने पर बाल चिपचिपे हो जाते हैं और कर्ल किए गए बाल कर्ल भी नहीं रह पाते हैं। बेहतर होगा कि इस मौसम में आप नेचुरल और अनकेप्ट हेयर स्टाइल रखें।

■ वर्षा में भींगने से ऑयल और मैल के कारण बालों में चिपचिपापन आ जाता है इसलिए भींगे बालों को माइल्ड शैम्पू से साफ कर लें।

■ शिफॉन, रेशमी, स्टार्च वाले कपड़े इस मौसम में नहीं पहनने चाहिए क्योंकि ये खराब हो जाते हैं। महीन सूती कपड़े जो पानी में भींगने पर ट्रॉनसिपरेंट हो जाते हैं जहां तक संभव हो नहीं पहनने चाहिए। बेहतर होगा कि आप थिक कॉटन, टेरीकॉटन या क्रेप जैसे कपड़े इस मौसम में पहनें यह शरीर के लिए आरामदायक और अनुकूल भी रहेंगे।

काबुली चना अचार

सामग्री : 150 ग्राम काबुली चना, 1 टेबलस्पून नमक, 1 टीस्पून सरसों का पाउडर, 1 टेबलस्पून सौंफ, 1 टीस्पून कलौंजी, 1/4 टीस्पून हींग, आधा टीस्पून हल्दी, 1 टेबलस्पून लाल मिर्च पाउडर, 200 मिली। सरसों या तिल का तेल।

विधि : कच्चे आम के पानी में काबुली चना, हल्दी और नमक मिलाकर रातभर के लिए भिगोकर रख दें। सुबह उसमें सरसों पाउडर और हल्दी मिलाएं। सौंफ, कलौंजी और हींग मिलाकर एक साथ भून लें। इसे काबुली चना के मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। कड़ाही में तेल को गरम करें। फिर ठंडा होने के बाद उसमें काबुली चना का मिश्रण मिलाकर 8 घंटे के लिए रख दें।

खरीदारी करते समय...

● खरीदारी करने के लिए बार-बार न जाएं। बेहतर यही है कि शॉपिंग के लिए जाने से पहले आवश्यक वस्तुओं की सूची बना ली जाए और कोशिश करें कि माह में एक-दो बार में ही सारी वस्तुएं खरीद ली जाएं। इस तरह समय की बचत के साथ अनावश्यक खर्च भी कम होगा।

● बाजार में वस्तुओं के प्रचलित दामों के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें। महंगी वस्तुओं की खरीदारी से पूर्व उनकी गुणवत्ता व मूल्य की जांच-पड़ताल कर लें।

● घर में आय-व्यय का संकलन रजिस्टर बनाएं, जिसमें खरीदी गई मुख्य वस्तुओं का विवरण दिनांक व मूल्य सहित अंकित करें। महंगी वस्तुओं की रसीद विक्रेता से अवश्य लें तथा उसे भी संकलन रजिस्टर में नत्थी करें।

● पारिवारिक आय को ध्यान में रखते हुए ही खरीदारी करें।

● खरीदारी करते समय यह ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि कहीं आपकी खरीदारी से घर-परिवार के जरूरी एवं आकस्मिक खर्चे जैसे बिजली, पानी, टेलीफोन के बिल, दूध, धोबी, अखबार वाले का भुगतान, बच्चों की फीस अथवा ट्यूशन आदि का भुगतान तो प्रभावित नहीं हो रहा?

● 'कम खर्च बालानंसी' को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक खरीदारी से बचें।

● बच्चों में बचत करने की आदत विकसित करें। आवश्यक जरूरतों को छोड़कर घर में ज्यादा नकदी न रखें। नजदीक के डाकघर या बैंक में ही बचत पास बुक खुलवाएं ताकि जरूरत पड़ने पर रूपये आसानी से निकलवाये जा सकें।

रूसी से बचने के उपाय

1. बालों की जड़ों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।
2. कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
3. कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
4. रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोड़ी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
5. सप्ताह में एक या दो बार एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है।
6. बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।
7. सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2946

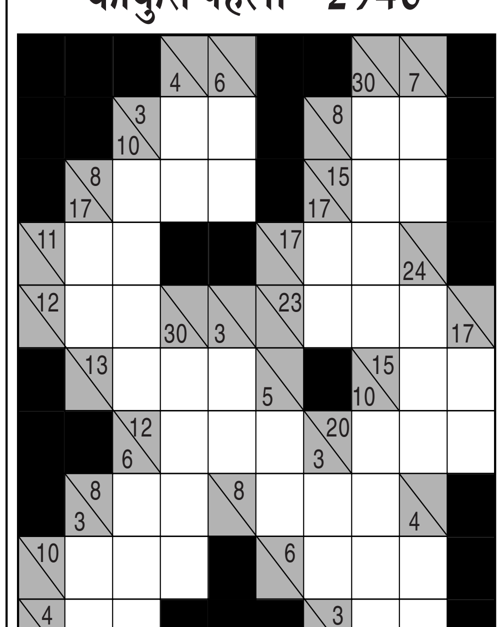

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

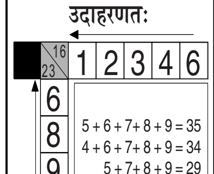

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2945 का हल

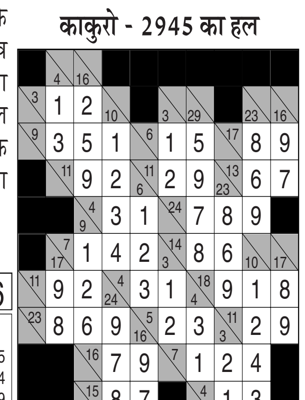

हंसी के फूव्वारें

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'

वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैंठ जाइए.'

□ □ □

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'

नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

□ □ □

आजीवन कुँवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-

'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

□ □ □

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?

बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2946

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६. अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2945

सूडोकु -2946

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2945 का हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 2946

बाएँ से दाएँ
1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -2945 का हल

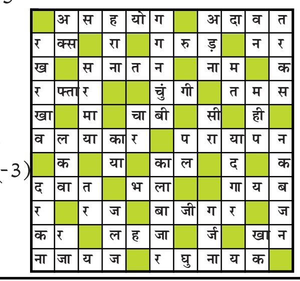

प्रभास की कन्नप्पा में नुपुर सेनन होंगी लीड हिरोइन

प्रभास के फैंस के लिए हाल ही में एक अच्छी खबर सामने आई है। साउथ फिल्म मेकर विष्णु मांचू ने रविवार को एक्टर से जुड़ी बड़ी अनाउंसमेंट की है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की है कि प्रभास उनकी फिल्म कन्नप्पा का हिस्सा होंगे। विष्णु मांचू की इस अनाउंसमेंट के बाद से ही कहा जा रहा है कि प्रभास इस फिल्म में भगवान शिव का किरदार निभाएंगे। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से प्रभास के किरदार को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया गया है। दरअसल साउथ ट्रेड एक्सपर्ट रमेश बाला ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया था। उन्होंने लिखा- सोर्सेस के मुताबिक सुपरस्टार प्रभास कन्नप्पा-द ट्रू एपिक इंडियन टेल का हिस्सा रहेंगे। यह फिल्ममेकर विष्णु मांचू का ड्रीम प्रोजेक्ट है। दोनों का यह कोलेबोरेशन काफी इंटरेस्टिंग होने वाला है। रमेश के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए विष्णु ने लिखा- 'हर हर महादेव।' फिल्ममेकर के इस कमेंट के बाद से ही फैंस कयास लगा है कि प्रभास इस फिल्म में भगवान शिव का किरदार निभाएंगे।

लीड रोल में होंगी कृति की बहन नुपुर सेनन

इस फिल्म का डायरेक्शन डायरेक्टर मुकेश सिंह करेंगे। फिल्म में प्रभास के अलावा कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन भी लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए एक्ट्रेस अपना एक्टिंग डेब्यू करेंगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कन्नप्पा की शूटिंग न्यूजीलैंड में होगी, वहां पर फिल्म के लिए खास सेट तैयार किया जरा है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। बीते दिनों मेकर्स ने फिल्म के लिए पूजा सेरेमनी रखी थी।

जाने-माने डायरेक्टर अनुराग कश्यप को आजकल बॉलीवुड से लेकर साउथ तक से बतौर ऐक्टर काफी ऑफर मिल रहे हैं। पिछले दिनों फिल्म हड्डी में बतौर विलेन नजर आए अनुराग ने हमसे खास बातचीत में बताया कि वह अब ऐक्टर के तौर पर ज्यादा नजर आएंगे या डायरेक्टर के तौर पर।

अगर मैं तमिलनाडु या केरल में पैदा हुआ होता, तो वहां मैंने सबकुछ फोड़ दिया होता

इस साल की शुरुआत में पठान ने अच्छा कलेक्शन किया था। उसके बाद बहुत सारी फिल्में नहीं चलीं। फिर पिछले महीने कमाई के सारे रेकॉर्ड टूट गए। इस बदलाव की क्या वजह मानते हैं आप?

इस बारे में तो ज्योतिषी भी नहीं बता सकते। ऐसा क्यों होता है, क्यों हो रहा है मालूम नहीं है, लेकिन जो हो रहा है अच्छा हो रहा है। काफी समय बाद सत्यप्रेम की कथा से छोटी शुरुआत हुई थी। उसके बाद बार्बी और ओपनहाइमर को भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला, तब से यह सिलसिला चलता ही जा रहा है। इसलिए जो हो रहा है वह बहुत अच्छा है।

आप जाने-माने डायरेक्टर हैं, लेकिन आजकल एक्टिंग में भी दम दिखा रहे हैं?

यह सच है कि मुझे एक्टिंग के लिए बहुत रोल ऑफर हो रहे हैं, लेकिन मैं इसमें कोई दम नहीं दिखाना चाहता हूं। मैं बस एक्टिंग कर रहा हूं। हाल ही में जी 5 पर रिलीज हुई फिल्म हड्डी में मैंने विलन का रोल किया। कभी-कभी कुछ कारणों की वजह से आपको यह सब करना पड़ता है। जब करना पड़ता है, तो मैं अच्छे से काम करता हूं।

आने वाले दिनों में आपके अंदर का एक्टर जीतेगा या फिर डायरेक्टर?

डायरेक्टर ही जीतेगा। वैसे एक बार डेविड धवन जी ने मुझे बोला था कि तू एक्टिंग किया कर, इससे तू भी कमाता है और प्रड्यूसर भी। लेकिन जब तू फिल्म बनाता है, तो ना तू कमाता है ना एक्टर। वह बात आज तक मेरे दिल में लगी हुई है।

एक डायरेक्टर जब बतौर एक्टर ज्यादा फिल्में करने लगे, तो खुद में क्या बदलाव करने पड़ते हैं?

मैं एक्टर नहीं बनना चाहता हूं। दरअसल डायरेक्टर को एक्टर बनाया जाता है। एक्टर बनने के लिए पहले अपने अंदर का डायरेक्टर मारना पड़ता है। मेरे लिए उसको मारना बहुत मुश्किल है। एक्टिंग ना करने की मेरी मुख्य वजह भी यही है। मेरे पास बहुत सारी कहानियां हैं कहने को, मैं बहुत सारी फिल्में बनाना चाहता हूं।

आपको साउथ की फिल्मों से एक्टिंग के ऑफर मिल रहे हैं। आपको मानना पड़ेगा कि आपकी डिमांड है?

हां बतौर एक्टर मेरी तीन तमिल फिल्में रिलीज होनी हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं यही करना चाहता हूं, लेकिन कोई रोल मिलता है तो अच्छे से करता हूं। हालांकि मेरा दिल तभी मानता है, जब फिल्म बनाने को मिलती है।

आपको साउथ सिनेमा से **डायरेक्शन का भी ऑफर मिला है?**

डायरेक्शन के ऑफर तो मुझे सब जगह से मिलते हैं। लेकिन मुझे वहां की भाषा नहीं आती। मुझे तमिल, मलयालम, जर्मनी और फ्रांस सभी जगहों से डायरेक्शन के ऑफर आए हैं, लेकिन अभी तक हिम्मत नहीं हुई। हिम्मत इसलिए नहीं हुई है, क्योंकि मैं जानना चाहता हूं कि मेरे एक्टर्स क्या कर रहे हैं। मेरे लिए फिल्म में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मेरा एक्टर होता है। अगर मैं उसकी भाषा ही समझ नहीं पाऊंगा, तो ऐसी फिल्म मैं बना ही नहीं पाऊंगा। हाल ही में कुमार राजा ने मुझे मॉडर्न लव का एक एपिसोड डायरेक्ट करने का ऑफर किया था। लेकिन मुझे लगा कि मैं उसके साथ न्याय नहीं कर पाऊंगा। मैं सोचता हूं कि अगर मैं तमिलनाडु या केरल में पैदा हुआ होता, तो वहां मैंने सब कुछ फोड़ दिया होता। दरअसल, वहां इतने प्रतिबंध नहीं होते, जितने हिंदी को लेकर होते हैं। वहां जमीनी फिल्में बनाना आसान होता है।

पब्लिसिटी के मामले में पीछे है देओल परिवार?

इन दिनों देओल परिवार लगातार सुर्खियों में है। दिलचस्प बात यह है कि सकारात्मक खबरों की वजह से परिवार की चर्चा हो रही है। एक तरफ घर के बड़े बेटे सनी देओल अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता की वजह से छाए हुए हैं। तो पिता धर्मेंद्र रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में अपने किरदार को लेकर। ईशा देओल को उनकी शॉर्ट फिल्म एक दुआ के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला है। इस बीच ईशा देओल ने यह दावा किया है कि देओल परिवार पब्लिसिटी के मामले में अच्छा नहीं है। ईशा देओल ने कहा, परिवार को जिस तरह का प्यार मिला है, अचानक हर कोई मुख्यधारा में आ गया है। एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि आपको क्या लगता है कि देओल परिवार पब्लिसिटी में अच्छा नहीं है? इस पर वह सहमत होती नजर आईं और कहा कि उन्हें इसकी वजह तो नहीं पता है, लेकिन, उनका परिवार थोड़ा रिजर्व और प्राइवेट रहना पसंद करता है। ईशा ने कहा, हां! मुझे इसकी असली वजह तो नहीं पता, लेकिन हम में से ज्यादातर लोग इसी तरह के हैं। कुछ शर्मीले हैं। वहीं हमारा नेचर थोड़ा रिजर्व है, हम अपनी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद करते हैं।

डॉन 3 में रोमा बनना चाहती हैं शोभिता

साउथ फिल्मों में कमाल के अभिनय से लोगों का दिल जीतने वाली शोभिता धूलिपाला अब धीरे-धीरे बॉलीवुड में भी अपनी पैर जमा रही हैं। अभिनेत्री का काम और नाम दोनों ही धीरे-धीरे लाइमलाइट में आ रहा है। जहां एक तरफ वह नागा चैतन्या के साथ कथित तौर पर डेटिंग की खबरों के लिए सुर्खियों में रहती हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके प्रोजेक्ट्स की चर्चा भी जोरों पर होती रहती है। मेड इन हेवन 2 में किए गए काम के लिए तारीफ लूटने के बाद शोभिता धूलिपाला का नाम डॉन 3 में रोमा के लिए सुर्खियों में है। कियारा आडवाणी के बाद खबरे थीं कि शोभिता धूलिपाला फिल्म में रोमा के किरदार में नजर आएंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में शोभिता ने इस बारे में बात की।

डॉन 3 में काम करना चाहती हैं शोभिता

जब से फरहान अख्तर ने घोषणा की है कि रणवीर सिंह डॉन 3 में मुख्य भूमिका निभाएंगे, तभी से फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के नाम को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि डॉन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की भूमिका कौन निभाएगा। कृति सेनन और कियारा आडवाणी जैसी अभिनेत्रियों के नामों रिपोर्ट्स आने के बाद शोभिता धुलिपाला का नाम भी खूब चर्चा में था। अब शोभिता धूलिपाला ने एक इंटरव्यू में डॉन 3 में काम करने की इच्छा व्यक्त की है।

डॉन 3 के लिए ऑडिशन देना पसंद करेंगी शोभिता

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में शोभिता धूलिपाला ने डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ काम करने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया। अभिनेत्री ने कहा कि वह डॉन 3 का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित होंगी। शोभिता ने कहा कि मेड इन हेवन 2 आने के बाद, ऐसे कई लोग थे जो कहते थे, तारा साहसी है और तारा की ऊर्जा रोमा की तरह है। यह तुलना अच्छी थी। मुझे डॉन फ्रेंचाइजी की फिल्में पसंद हैं। रोमा के रूप में प्रियंका ने शानदार काम किया था। बस यह संभावना कि लोगों ने सोचा कि मैं भी वह कर सकती हूं, यह काफी आश्चर्यजनक था। मुझे डॉन 3 के लिए ऑडिशन देना अच्छा लगेगा।

रणवीर सिंह बनेंगे डॉन

बता दें, पिछले दिनों फरहान अख्तर ने डॉन 3 का एलान किया था। इसके साथ ही उन्होंने यह भी खुलासा किया था कि इस बार शाहरुख खान नहीं, बल्कि रणवीर सिंह डॉन का किरदार निभाएंगे। बता दें, शाहरुख खान ने साल 2006 और 2011 में रिलीज हुई दो डॉन फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी।

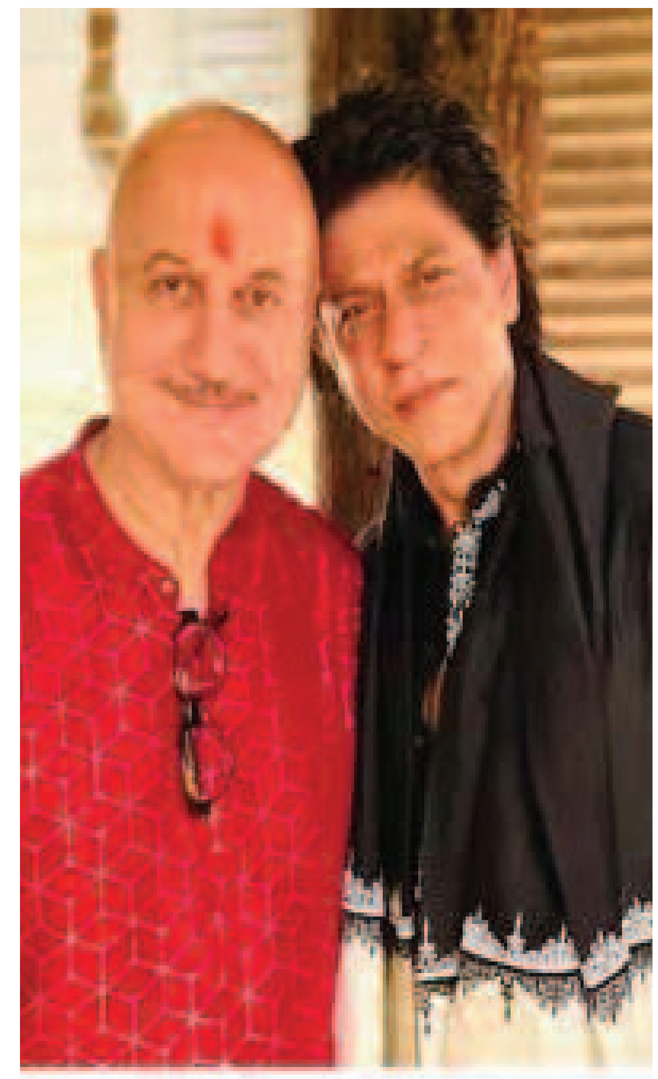

अनुपम ने जवान मूवी देखकर की शाहरुख की तारीफ

दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने शाहरुख खान की हाल ही में रिलीज हुई जवान के लिए प्रशंसा की, जिसने दुनिया भर में बॉक्स-ऑफिस कलेक्शन में 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लिया है। अनुपम और शाहरुख ने 1995 में दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) में स्क्रीन साझा की थी। उन्होंने फिल्म में शाहरुख के पिता धर्मवीर मल्होत्रा की भूमिका निभाई थी।वरिष्ठ अभिनेता ने सोशल मीडिया पर डीडीएलजे अंदाज में शाहरुख की सराहना की। शाहरुख के साथ एक पुरानी तस्वीर साझा कर अनुपम ने एक नोट लिखा, मेरे प्यारे शाहरुख! अभी-अभी अमृतसर में ऑडियंस के साथ आपकी फिल्म जवान देख कर निकला हूं। मजा आ गया। एक्शन, पिक्चर का स्केल, आपकी अदा और परफॉरमेंस बहुत ही उम्दा है। एक दो जगह तब मैंने सिटी भी मार दी। फिल्म में हर किसी का काम बहुत पसंद आया। बता दें कि ये लाइनें फिल्म डीडीएलजे का डायलॉग है, जिसमें अनुपम पिता के रूप में बेटे शाहरुख के लिए बोलते हैं। एटली द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर में शाहरुख दोहरी भूमिका में हैं, उनके साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, प्रियामणि और सान्या मल्होत्रा हैं।

पुष्पा से पहले एक और दक्षिण भारतीय फिल्म सायरन करेगी धमाका

दक्षिण भारतीय फिल्में इन दिनों दर्शकों में सबसे ज्यादा माँग में हैं। हर नई फिल्म अपने कथानक के जरिये पूरे देश के दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। पोन्नियन सेलवन 1-2 के बाद इस फिल्म के नायक जयम रवि अपनी अगली फिल्म सायरन के जरिये बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाले हैं। हाल ही में जारी हुए इस फिल्म के प्रोमो ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है। इसको देखकर ही समझा जा सकता है कि फिल्म एक जानदार थ्रिलर रहने वाली है। हालांकि ना तो टीजर कहा गया है और ना ही ट्रेलर। इसे प्रीफेस का नाम दिया गया है। यह फिल्म है सायरन है और इसका सायरन प्रीफेस को एक्टर जयम रवि के 43वें जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया है। इस प्रीफेस को देखकर ही समझा जा सकता है कि यह एक थ्रिलर है और जयम रवि को इसमें अनदेखे अंदाज में देखा जा सकेगा।

जयम रवि की नई फिल्म है सायरन। सायरन के प्रीफेस में जयम रवि को जेल में और उसके बाहर देखा जा सकता है। फिल्म में उनके साथ कीर्ति सुरेश, अनुपरमा परमेश्वरन, योगी बाबू और समुत्रिकनी नजर आएंगे। सायरन को एंटनी भाग्यराज ने निर्देशित किया है और ये उनकी डेब्यू फिल्म है। बताया जा रहा है कि फिल्म में कीर्ति सुरेश पुलिस अफसर के किरदार में नजर आ सकती हैं, जबकि प्रीफेस देखकर समझा जा सकता है कि जयम रवि एक कैदी हैं।

अक्षय कुमार ने शाहरुख खान को दी बधाई

शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ रही है। फिल्म ने महज चार दिनों में दुनियाभर में 500 करोड़ (ग्रॉस) रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म के लिए कई सेलिब्रिटीज किंग खान की तारीफ कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में अक्षय कुमार का नाम भी शामिल हो गया है। इंडस्ट्री के खिलाड़ी ने फिल्म की सफलता पर अभिनेता को बधाई दी है। सोमवार को अक्षय कुमार ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शाहरुख खान को उनकी फिल्म जवान की भारी सफलता पर बधाई नोट लिखा। अभिनेता ने फिल्म के कलेक्शन का स्क्रीनशॉट साझा किया और लिखा, कितनी बड़ी सफलता है। मेरे जवान पठान शाहरुख खान को बधाई। हमारी फिल्में वापस आ गई हैं। शाहरुख खान ने भी अपने एक्स पर अक्षय कुमार का आभार व्यक्त किया और उन पर जमकर प्यार भी बरसाया। अभिनेता ने लिखा, आपने दुआ मांगी ना हम सब के लिए तो कैसे खाली जाएगी। शुभकामनाएं और स्वस्थ रहें खिलाड़ी! बहुत सारा प्यार। नेटिजन्स को भी दोनों के बीच का यह संवाद काफी पसंद आया है। लोग सोशल मीडिया पर दोनों ही अभिनेताओं की जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, बहुत अच्छा लगा कि कैसे असली किंग और खिलाड़ी अपनी विचारशील भूमिकाओं और महत्वपूर्ण फिल्में बनाने के दृढ़ संकल्प से फिल्म इंडस्ट्री को बचा रहे हैं। एक नया युग हमारे सामने है और हम इसके लिए यहां हैं। एक अन्य ने लिखा, बॉलीवुड के किंग खान और खिलाड़ी। इसके अलावा बहुत से यूजर्स इन पोस्ट पर हार्ट इमोजी भी पोस्ट कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011